uns englar Top अंक:- 149 मुरादाबाद (Saturday) 20 September 2025 भारत सरकार से रजिस्टर्ड पुष्ठ:- 08 मूल्य:- 3.00 रूपया RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महोत्सव में मुख्यमंत्री के

आगमन के दृष्टिगत त्रिस्तरीय

सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पुलिस, पीएसी के साथ ही

यातायात पुलिस की ड्यूटी

लगाई गई है। आयोजन में भाग

लेने के लिए आने वाले लोगों

की सुविधा को ध्यान में रखते

हए पार्किंग व्यवस्था की गई

चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी राम मंदिर का सपना हुआ साकार, देश देखता रहा.., राहुल गांधी ने फिर की अर्थव्यवस्था हुई मजबूत...विराट चुनाव आयोग पर साधा निशाना

युवा सम्मेलन में सीएम योगी ने ये कहा को आगाज हो गया है।

सीएम योगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में प्रतिभाग करने पहुंचे। उन्होंने विराट युवा सम्मेलन को संबोधित किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फरह स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में प्रतिभाग करने पहुंच गए हैं। वे हेलिकॉप्टर से दीनदयाल धाम के हेलिपैड पर उतरे। परिसर में आयोजित विराट युवा सम्मेलन को संबोधित

सक्षिप्त समाचा सांसद

संभल जियाउर्रहमान बर्क बोले: पीएम को आरआरएस प्रमुख ने नहीं दी जन्मदिन की बधाई, कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश-विदेश से जन्मदिन की बधाइयां मिलीं, लेकिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ओर से बधाई न मिलना किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। उन्होंने मोदी को 75 वर्ष का बताते हुए आगे भाजपा की नीतियों में बदलाव की संभावना पर सवाल उठाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश-विदेश से जन्मदिन पर बधाइयां मिल रही हैं, लेकिन आरआरएस प्रमुख मोहन भागवत ने उन्हें बधाई नहीं दी है। शायद कुछ गड़बड़ है। यह बात संभल सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कही है। बृहस्पतिवार को सांसद ने अपने दीपा सराय स्थित आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को सभी ने जन्मदिन की बधाई दी है और मैं भी उन्हें मुबारकबाद देता हूं, लेकिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई नहीं दी है। इसके पीछे क्या कारण है, पता नहीं कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं है।आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 साल के हो चुके हैं और अब देखना होगा कि भाजपा की नीतियों में

आगे किस तरह के बदलाव

होते हैं। भारत-पाकिस्तान के

मैच को लेकर कहा कि मैच

की कमाई पहलगाम के

पीड़ितों को दी जाती है तो

यह एक अच्छा कदम होगा।



को संबोधित करते हुए सीएम लेकिन डबल इंजन की सरकार खोखला कर दिया था। लेकिन योगी ने कहा कि आज का युवा ने यह कर दिखाया।सीएम योगी नौकरी देना वाला बन रहा है। ने कहा कि पंडित दीनदयाल भारत एक नई अर्थव्यवस्था के उपाध्याय का स्वदेशी मॉडल है। पंडित दीनदयाल धाम में साथ उभर रहा है। पीएम मोदी अपनाने का सपना था। यह भी ने कश्मीर को स्वर्ग बनाने का सपना पीएम मोदी ने साकार पर आयोजित होने वाले स्मृति काम किया है। लोग कहते थे किया। विदेशी हुकूमतों ने देश महोत्सव मेला का बृहस्पतिवार

पीएम मोदी के आने बाद देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यंशाली नहीं रहा, बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था में जवानों और किसानों की भूमिका की भी चर्चा की दिश की सुरक्षा केवल सीमा पर लड़े गए युद्ध से तय नहीं होती, बल्कि यह पूरे देश के लोगों के संकल्प और एकजुटता से तय होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध के दिग्गजों से बातचीत में यह बात कही।

1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। हमने अपनी नियति स्वयं तय की है... इसका एक उदाहरण ऑपरेशन

अपने संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जवानों और किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बात की। पहलगाम को यादकर मन गुस्से से भर जाता है- रक्षा मंत्री ने कहा कि हम पहलगाम की भयावह घटनाओं



हुआ उसने हम सभी को झकझोर दिया। लेकिन वह घटना हमारे मनोबल को नहीं तोड़ पाई। हमने आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने का संकल्प लिया जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और अपने दुश्मनों को दिखाया कि हमारा प्रतिरोध कितना मजबूत और शक्तिशाली है। हमारी पूरी टीम की ओर से दिखाए गए समन्वय और करिश्मे ने साबित कर दिया कि जीत अब कोई अपवाद नहीं है। जीत एक आदत केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

... कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में प्राप्त विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है। 1965 के उस कठिन समय में, जब चारों ओर देश ने लाल बहादुर शास्त्री के दृढ़ नेतृत्व में उन चुनौतियों का सामना किया। शास्त्री जी ने उस दौर में न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे देश का मनोबल भी ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने एक नारा दिया जो आज भी हमारे दिलों में गूंजता है, %जय जवान, जय किसान।% इस एक में भारत स्वतंत्रता के बाद से को नहीं भूले हैं और जब भी बन गई है और हमें इस आदत नारे में हमारे वीर जवानों के अपने पड़ोसियों के मामले में सिर्फ नो कमेंट कहा। उन्होंने हम उन्हें याद करते हैं, हमारा को हमेशा बनाए रखना चाहिए। सम्मान के साथ-साथ हमारे बहुत भाग्यशाली नहीं रहा है।

समाहित था... उन्होंने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने यह संकल्प लिया है कि इस बार आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।'' पहलगाम आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के जवाब में भारत ने 7 अनिश्चितता और चुनौतियाँ थीं, मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इसके तहत पाकिस्तान की ओर से नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं। सिंह ने यह भी कहा कि एक राष्ट्र के रूप

मुख्यमंत्री योगी भी इस आयोजन में शामिल होने के लिए पहुंचे। सम्मेलन की सफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कई दिन से यहां कैंप किए हुए हैं। त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई एसएसपी श्लोक कुमार ने राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक रहे हैं। इससे पहले गुरुवार शाम बताया कि पंडित दीनदयाल बार फिर से चुनाव आयोग पर धाम में आयोजित स्मृति

करारा हमला बोला है। उन्होंने आयोग पर तंज कसते हुए कहा कि, चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा।कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को एकबार फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग का नाम लिए बिना कहा कि चनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा। उनकी यह टिप्पणी वोट चोरी के मुद्दे पर अपने हमले को तेज करने के एक दिन बाद आई है। जिसमें तो स्थानीय चुनाव आयोग के उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लोकतंत्र को लेकिन सीआईडी जांच को नष्ट करने वालों को रक्षा करने सीईसी ने रोक दिया। कर्नाटक का आरोप लगाया था। सुबह 4 सीआईडी ने 18 महीनों में 18 बजे उठो, 36 सेकंड में 2 वोटर पत्र लिखकर सभी सबूत मांगे, मिटाओ, फिर सो जाओ - ऐसे भी हुई वोट चोरी! चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा।राहुल गांधी ने कल की अपनी प्रेस कॉन्फेंस का 36 सेकेंड का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ -ऐसे भी हुई वोट चोरी! चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा। गांधी 36 सेकंड के वीडियो में कथित वोट चोरी आरोपों का किया खंड़न राहुल

को एक पोस्ट में राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा था कि देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेन जी, संविधान की रक्षा करेंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी रोकेंगे। मैं हमेशा उनके साथ खड़ा हूं। जय हिंद! प्रेस वार्ता के बाद राहुल गांधी ने देर शाम सोशल मीडिया पर कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बहाने बनाना बंद करके। सबूत कर्नाटक सीआईडी को तुरंत देने चाहिए। राहुल ने कहा कि जब कांग्रेस के अलंद के उम्मीदवार ने धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया, अधिकारी ने प्राथमिकी दर्ज की, लेकिन सीईसी ने उन्हें रोक दिया।कर्नाटक चुनाव आयोग ने जांच के लिए ईसीआई से कई बार अनुरोध किया, लेकिन सीईसी ने उसे भी रोक दिया नाम डिलीट करने वाले डेस्टिनेशन आईपी, डिवाइस पोर्ट और ओटीपी के विवरण को छिपाया गया है सीईसी ने इसे रोक दिया। अगर यह वोट

प्रेस वार्ता के 30 मिनट के भीतर की चुनाव आयोग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में इन्हें गलत बताया और इन आरोपों का खंडन किया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि जैसा भ्रम प्रचारित किया जा रहा है। किसी भी आम आदमी के मत को ऑनलाइन हटाया नहीं जा सकता है। इसके लिए बकायदा प्रक्रिया है, जिसका पालन किया जाना आवश्यक है। जिसका भी वोट कटेगा उसे अपनी बात कहने का मौका दिया जाता है। बिना सुनवाई के विलोपन संभव ही नहीं है।चुनाव आयोग ने कहा था कि उनके संज्ञान का मामला है कि 2023 के विधानसभा चुनावों में कर्नाटक के अलंद में कुछ मतों को हटाने के असफल प्रयास किए गए थे। इस मामले में जांच के लिए चुनाव आयोग ने ही प्राथमिकी दर्ज कराई थी। चुनाव आयोग ने कहा कि अलंद विधानसभी सीट पर 2018 में भाजपा के सुभाष गुट्टेदार की जीत हुई। जबकि 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बीआर पाटिल की जीत हुई। आयोग के सूत्रों ने कहा यह मामला 2023 का था, उस पर आयोग पहले ही कार्रवाई कर चुका है, ऐसे में उनके द्वारा लगाए गए सभी आरोप, मुख्य चुनाव आयुक्त की छवि को खराब करने के लिए लगाए गए कुत्सित प्रयास हैं। राहुल गांधी ने कहा था कि फर्जी आईडी बनाकर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से डिलीट किए गए। उन्होंने आरोप लगाया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश चोरी पकड़ी नहीं जाती और कुमार वोट चोरों की रक्षा कर 6,018 वोट डिलीट हो जाते, रहे हैं। उन्हें बचा रहे हैं। उन्होंने तो कांग्रेस का उम्मीदवार चुनाव लिक्षात करके महिलाओं, हार सकता था। आयोग ने दलितों, ओबीसी और आदिवासी मतदाताओं को मत की कार्यप्रणाली के बारे में बता गांधी की वोट चोरी फैक्टरी काटने का भी आरोप लगाया।

मां पर FIR के सवाल पर अपर्णा यादव ने दिया ये जवाब, कांग्रेस के घोटालों का जिक्र कर राहुल गांधी पर कसा तंज

सुल्तानपुर पहुंचीं अपर्णा यादव ने अपनी मां पर स्नद्वऋदर्ज होने के सवाल पर कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कांग्रेस के घोटालों का जिऋ करके राहुल गांधी पर तंज कसा। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव शुक्रवार को सुल्तानपुर पहुंचीं। यहां उन्होंने जिला जेल में महिला बंदियों से भेंट किया। उन्होंने बताया यहां पुस्तकालय बन रहा है, मैं उसमें पुस्तकें दूंगी। इसके बाद उन्होंने अपनी मां पर हुए केस के सवाल पर



उन पर तंज कसा। हाइड्रोजन बम वाले बयान पर कहा %वोट चोरी करना... न करना एक विषय है, कांग्रेस से ज्यादा वोट चोरी किसने की है? बोफोर्स क्या है? गूगल पर सर्च कर लीजिए, कांग्रेस की पोल खुल जाएगी। फिर, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कई बातें कहीं। कहा कि प्रधानमंत्री राहुल गांधी को निशाने पर लेकर ने एक बात जरूर की है कि मेरी समझ में नहीं आता है।

कि जो लोग आतंकवाद फैला रहे थे, उनकी नींद उड़ा दी है। आज राष्ट्र विरोधियों की नींद बिल्कुल खराब हो गई है।अनाप शनाप बोलने से राजनीति नहीं चमकेगी... उन्होंने आगे कहा कि राहुल अजीब तरीके से बात करते हैं तो हो सकता है पीएम की तारीफ करने के बजाय वह इस तरह की बात कर रहे हों। भारत सरकार की एजेंसीज के बारे में अनाप शनाप बोलने से आपकी राजनीति नहीं चमकेगी। पॉलिटिक्स में वो इतने समय से हैं, इतने बड़े परिवार से हैं, वो ऐसी बात क्यों करते हैं?



संपादकीय Editorial

After the Lies Were Exposed Finally, US President Trump's lies were exposed. The Foreign Minister of Pakistan a US stooge, exposed President Trump by revealing that India had not accepted third party mediation regarding the ceasefire India considered it a bilateral matter. During an interview with Al Jazeera, Pakistan's Deputy Prime Minister and Foreign Minister, Muhammad Ishaq Dar, stated "When the ceasefire proposal came from Rubio (US Secretary of State) on May 10th, I was told that talks between India and Pakistan would take place at a neutral venue. But when I met Rubio in Washington on July 25th, I asked what happened to the talks He said, 'India considers it a bilateral matter.''' This interview clearly demonstrates that the US President had no role in the ceasefire between India and Pakistan. It also became clear that India neither accepts nor has the policy of accepting third-party mediation in bilateral matters. Indeed, from May 10th until recently, President Trump has consistently claimed that his efforts led to a ceasefire Both countries acted wisely and prudently averting a potential nuclear war. India has consistently denied this boasting. These claims were also rejected within Parliament This may be the underlying reason why there was no communication between President Trump and Prime Minister Modi for 90 days. This silence broke after June 17th, and Trump wished Prime Minister Modi a happy birthday over the phone. saying he was doing a great job. Prime Minister Modi shared what he said in response: "My friend, President Trump. thank you for your phone call and warm wishes on my birthday. Like you, I too am committed to taking the India-US comprehensive and global partnership to new heights." However, the lies were exposed, but the conversation between the two world leaders has once again cleared the path for relations. Following the US's $50\,\%$ tariffs on India, trade agreement talks had stalled. However, on Tuesday, September 16th, US Trade Representative Brendan Lynch was in New Delhi. He held talks with Rajesh Aggarwal, Special Representative of the Union Ministry of Commerce, for nearly seven hours. Both described the discussions as "positive." It's clear that trade agreement negotiations are back on track. Although this hasn't been officially declared the sixth round of negotiations, these changes clearly demonstrate a softening of the US stance and the beginning of a positive partnership. If the US representative has flown from Washington to New Delhi, he hasn't come simply for chit-chat or casual conversation. Therefore, we consider this dialogue to be important. However, the US's objective remains the same as it was during the May June-July rounds of negotiations. US Commerce Secretary Howard Lutnick's question is understandable: "Why can't India's more than 1.4 billion people buy a bushel, or 32 seers, of American corn?'' The US is constantly demanding permission to trade in India's agricultural sector. This is also a major hurdle in the trade agreement India continues to refuse because it is concerned about its farmers and dairy farmers. Despite the tariffs, India's exports have increased by 7 percent and imports have decreased by 10 percent. It's not true that the tariffs are completely unaffected Shrimp traders in Andhra Pradesh have suffered losses of approximately ?25,000 crore because 50 percent of their export orders have been canceled. Chief Minister Chandrababu Naidu has raised this issue with the central government, demanding assistance for shrimp exporters. However, the window that has now opened between India and the US should bring a cool breeze Politicians have been making baseless claims but international relations should not deteriorate.

IITs, victims of ideological deviation, must maintain their fundamental core to excel.

Amendment of the statutes must ensure that IITs remain technical universities. Humanities subjects should be limited to undergraduate supplementary education. Political activities should be kept off campus so that classrooms and laboratories can once again become centers of innovation. Alumni should also contribute to laboratories, research centers, and technical scholarships. IIT campuses, which should be buzzing with laboratories, technology, and science, are now filled with protests, sit-ins, and political slogans. An example of this ideological deviation was IIT Bombay's co-sponsorship of a conference in Berkeley, titled "South Asian Capitalism," organized by the Institute for South Asian Studies and the University of Massachusetts-Amherst. The event portrayed Indian industry and entrepreneurship as a system of exploitation. Following protests, IIT Bombay was forced to issue a clarification stating that it had nothing to do with the event. It should be noted that the purpose of establishing the IITs was to create specialized technical institutions that could produce scientists, engineers, and technologists who would make India self-reliant. Laboratory-based education, relevant research, and a global alumni network have been the hallmark of the IITs. This unique mission set them apart and distinguished them from other Indian universities, but during the UPA regime, this vision began to deviate. In 2008–09, the Yashpal Committee recommended that IITs and IIMs be transformed into multidisciplinary universities. This plan seemed attractive on the surface, but in reality, it was misleading. Reducing an institution built for technical excellence to a general university meant the loss of its distinctive identity. The proliferation of humanities subjects in the IITs has not added any new value to the institutions' reputation. On the contrary, it has leveraged their established reputation to make the campuses a platform for political movements and ideological clashes. While introducing some humanities subjects to engineering students is certainly beneficial, IITs now offer full-fledged postgraduate and research programs in humanities subjects. IIT-Madras introduced a five-year MA in 2006, which was later split into two-year courses in Economics, English, and Development Studies. IIT-Gandhinagar introduced an MA in Society and Culture in 2014–15. IIT-Bombay and IIT-Delhi now offer PhDs in Economics, Sociology, Literature, and Psychology. This contradicts the IIT's objective. Where engineers were supposed to be given a broad perspective, a parallel humanities education, similar to that of a general university, is now being established. Humanities often automatically infiltrates campus politics. The Ambedkar-Periyar Study Circle at IIT-Madras has been embroiled in controversy since 2015. IIT-Bombay witnessed protests against the Citizenship Amendment Act. At IIT-Kanpur, students took out a procession in support of Jamia Millia Islamia (JMI) and AMU and recited Faiz's poem "Hum Dekhenge." The poem was accused of being "communal," leading to the formation of an internal inquiry committee. These scenes appear to be typical of ordinary universities where politics has dominated for years, but for technical institutions like the IITs, it is unnatural and harmful. In 2023, an associate professor in the Humanities Department at IIT-Delhi described Hinduism as a "sham." Such statements exploit the reputation of IITs to spread ideological discord, while bearing no relation to the institution's technical identity. Using the IIT's name to create political and ideological battlegrounds in this manner is detrimental to both the institution and the nation. The disadvantage of making IITs "general universities" is that the expansion of humanities subjects burdens expensive science and technology subjects. India already has sufficient universities for the humanities, but what is lacking is technical experts and innovation infrastructure. If resources are limited, they should be used where they maximize national benefit. It is true that India needs both types of institutions—general multidisciplinary universities and specialized technical institutions, but if technical institutions are simply made generic, we will lose their uniqueness. Now is the time to restore the IITs to their original path. The law must be amended to ensure that IITs remain technical universities. Humanities subjects should be limited to undergraduate supplementary education. Political activities should be kept off campuses so that classrooms and laboratories can once again become centers of innovation. Alumni should also contribute to laboratories, research centers, and technical scholarships. While China is making rapid progress in artificial intelligence (AI), chip design, and quantum computers, India cannot afford to turn its best institutions into a political arena. IITs must be preserved as centers of technical excellence. This is the time to say unequivocally: We need IITs again.

The mantra for accelerating development is that respect for workers is essential, not just for entrepreneurs.

Most of society's best human resources are pursuing jobs rather than becoming entrepreneurs. A shift in our social mindset is driving both talented and untalented groups away from factories and toward sedentary jobs. A lack of discipline and integrity as a nation is also impacting entrepreneurship. Amid US tariff pressure, Prime Minister Modi's visit to China not only underscored India's strategic autonomy but also marked a decision to normalize relations with China. In this context, Chinese investment has been permitted in industries such as electric vehicles, renewable energy, textile machinery, electrical and agricultural equipment, and auto parts. While improving relations with our neighboring country and increasing economic cooperation between the world's two most populous countries is a positive development, India, which already faces a significant trade deficit with China, also faces the challenge of boosting its manufacturing sector, which could further worsen this deficit. To compete with Southeast Asia's unprecedented industrial growth and Western countries' efforts to revive their manufacturing sector, India must not only accelerate its manufacturing but also qualitatively improve it to establish itself in the global market. Due to increasing competition, India must first select a few sectors and develop sector-specific industries, and then gradually expand into as many sectors as possible. It's not that we are in a desperate situation. At the turn of the century, India was relatively unknown on the global manufacturing scene. In 2006, we entered the top ten manufacturing countries, and today we are among the top five. After becoming the second largest mobile phone producer and entering the semiconductor era, India has established itself in high-tech-intensive industries. However, in a country with a population of 1.4 billion, we must also take labor-intensive industries seriously. This is especially true since this sector generates the most employment and can absorb the majority of India's semi-skilled and unskilled labor force. For the past two decades, the manufacturing sector's share in India's GDP has remained stagnant between 14 and 16 percent. Meanwhile, in China, this share has hovered around 30-35 percent. Recently, due to the growth of the services sector, this figure has declined to 27 percent. It would be unfair to say that governments have not made efforts to promote the manufacturing sector. Many commendable initiatives have been taken at the policy level. Several policies and decisions have been implemented to boost manufacturing, including the Production Linked Incentive (PLI) scheme, the integrated and comprehensive PM Gatishakti Master Plan for infrastructure development, a liberal FDI policy, the National Single Window Scheme to provide a unified portal for approvals to investors, the Goods and Services Tax (GST), and corporate tax reductions. Despite this, some structural and practical problems still remain challenges for industries. One such challenge is the limited availability of land for industries, which is particularly acute in North India. Therefore, efforts must be made to convert low-agricultural land into industrial use, while ensuring optimal utilization of the identified land. It has been observed that a lot of land in industrial areas lies idle, only for investment and resale. Despite considerable government efforts, the skill development campaign has not been particularly effective. It is necessary to delegate the responsibility of skill development to credible industry bodies rather than private institutions. According to the National Skill Development Corporation itself, India faces a shortage of 29 million skilled workers. The semiconductor sector alone will require 1.5 million skilled workers within two years. Small and medium-sized enterprises, which generate approximately 80 percent of employment, still face difficulties in obtaining loans. Labor laws in the manufacturing sector are unfavorable. For example, retrenchment is difficult in industries with more than 300 employees, while the service sector has more flexibility. Furthermore, weak branding, laxity in research and innovation, and a lack of professionalism are some of the problems created by the industry itself. The emphasis given to vocational courses in the new education policy is a commendable effort in this direction, but only a change in the mindset of parents will yield the desired results. Much of society's best human resources are pursuing jobs rather than entrepreneurship. There's a shift in our social mindset that is driving both talented and untalented groups away from factories and toward sedentary jobs. A lack of discipline and integrity as a nation is also impacting entrepreneurship. The need is to encourage entrepreneurs to transform from traders to producers and to instill respect for labor and workers in society. Another important point is that no country has become entrepreneurial or developed by tolerating corruption. Government red tape and corruption are major obstacles to an entrepreneurial India. In addition to simplifying and minimizing compliance with regulations, bureaucracy must be brought into a coordinating role. The success of bureaucracy in industryrelated departments will be determined by how many new industries they are able to establish. How many industries have expanded, and how many of them reduce import dependence or boost exports? A young demographic, a growing middle class, and a rapidly developing infrastructure are just some of the reasons why India's manufacturing future is full of promise. What's needed is a long-term policy that goes beyond immediate goals and makes manufacturing a national mission.

बोला- मुझे जबरन फंसाया जा रहा

मुरादाबाद- ठाकुरद्वारा के शिवनगर पत्थरखेड़ा में गोकशी मामले में नामजद पूर्व जिला पंचायत सदस्य जरीफ अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी से पहले और बाद में



जरीफ ने खुद को निर्दोष बताते हुए राजनीतिक रंजिश में फंसाए जाने का आरोप लगाया। ठाकुरद्वारा के गांव शिवनगर पत्थर खेड़ा में हुए चर्चित गोकशी के मामले में नामजद पूर्व जिला पंचायत सदस्य जरीफ अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सीएचसी में मेडिकल के लिए पहुंचे आरोपी

ने चिल्लाते हुए कहा कि मैं निर्दोष हूं और इस मामले में झूठा फंसाया जा रहा है। इस पर पुलिस उसे खींचते हुए कार में बैठाकर कोर्ट ले गई जहां से उसे जेल भेज दिया गया। हालांकि कुछ वीडियो सामने आई हैं जिसमें वह खुद ही थाने पहुंचकर सरेंडर करता दिख रहा है। शिवनगर पथरखेड़ा में 25 जुलाई को तड़के ग्रामीणों ने गोकशी का मामला पकड़ा था।मौके से किशनपुर गांवड़ी निवासी पिता पुत्री और बेटे सिहत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था जबकि अन्य पांच लोग वहां से पिकअप से कूद कर भाग गए थे। इसमें पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं एचएससी इंटर कॉलेज के प्रबंधक जरीफ अहमद को भी नामजद किया गया था। तीन गिरफ्तार लोगों के अलावा पांच ने कोर्ट में समर्पण कर दिया था। वांछित जरीफ अहमद की गिरफ्तारी को लेकर हिंदू संगठन और साधु संत का करीब 15 दिन से मांग पर अड़े हुए थे। साधु-संतों ने पुलिस पर गिरफ्तारी में लापरवाही का आरोप लगाते हुए फिर से धरना प्रदर्शन और पैदल मार्च की चेतावनी दी थी। इस बीच बृहस्पतिवार को पुलिस ने जरीफ अहमद को किशनपुर गांवड़ी के चौराहे से गिरफ्तार होना बताया। लेकिन कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर दावा किया है कि जरीफ अहमद ने स्वयं कोतवाली में एक गांव के प्रधान के साथ पहुंचकर सरेंडर किया है। बाद में पुलिस जरीफ को लेकर सीएचसी पर पहुंची। जहां मेडिकल से पहले और बाद में जरीफ अहमद ने चिल्लाते हुए कहा कि वह निर्दोष है और उन्हें इस मामले में राजनीतिक रंजिश में झूठा फंसाया जा रहा है। मेडिकल के बाद कोर्ट में पेश करने पर उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस को अभी बेल बेचने वाले किशनपुर गांवड़ी

पत्नी को लेने ससुराल गए युवक और परिजनों की पिटाई

मुरादाबाद- शाहबाद। मोहल्ला हकीमान स्थित ससुराल में बुधवार दोपहर एक युवक अपनी पत्नी को लेने गया तो वहां विवाद हो गया। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने युवक व उसके परिजनों पर लाठी-डंडों से हमला कर मारपीट की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली क्षेत्र के मढ़ैया बदे और वर्तमान पता मोहल्ला हाकिमान निवासी जीशान अपनी पत्नी मुस्कान को लेने संसुराल गया था। इसी दौरान संसुराल पक्ष के चार लोगों ने उस पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित के मुताबिक जब शोर सुनकर उसकी बहनें शहनाज, खजाना और भाई शमशेर मौके पर पहुंचे तो विपक्षियों ने उन्हें भी पीटा और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।पीड़ित ने घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मैं निर्दोष हूं: गोकशी का आरोपी पूर्व जिला संभल में स्वास्थ्यकर्मी ही चलवा रहे थे पंचायत सदस्य गिरफ्तार, जेल जाते समय कई अवैध अस्पताल, प्रत्येक से वसूलते थे पांच लाख, ऐसे हुआ भंडाफोड़

मुरादाबाद- संभल में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई में बडा फर्जीवाडा सामने आया। विभाग के ही कर्मचारी अवैध अस्पतालों को चलवाकर फर्जी पंजीकरण के नाम पर पांच लाख रुपये तक वसूली कर रहे थे। छापेमारी में 31 अस्पताल पकड़े गए, जिनमें 19 पर मुकदमा दर्ज हुआ। स्वास्थ्य

विभाग की कार्रवाई में विभाग के ही कर्मचारियों की पोल खुल गई। स्वास्थ्यकर्मी ही जिले में अवैध अस्पतालों का संचालन कराकर धन उगाही करते थे। यहां तक कि फर्जी पंजीकरण कराकर एक से पांच लाख वसूलते



थे।मामले में दो कर्मचारियों समेत सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर वसूली करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले का खुलासा डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया, एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई व सीएमओ डॉ. तरुण पाठक ने प्रेसवार्ता के दौरान किया।डीएम ने बताया कि लगातार कार्रवाई के बाद भी अवैध अस्पतालों का संचालन किया जा रहा था। मंगलवार को एएसपी अनुकृति शर्मा के नेतृत्व में जिलेभर में एक साथ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसमें 31 अवैध अस्पतालों पर छापा मारा। 19 अस्पतालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया कि सभी अस्पताल में सामने आया कि किसी भी अस्पताल में चिकित्सक नहीं था। अवैध अस्पताल संचालन में वसूली किए जाने की जानकारी सामने आने पर गांव ऐंचोली पीएचसी में तैनात वार्ड वॉय नितिन उर्फ नितेंद्र गुप्ता, बहजोई सीएचसी में तैनात फिजियो थैरेपिस्ट गौरव बंसल, बहजोई थाना क्षेत्र के गांव सादातबाड़ी निवासी जगतपाल को पकड़ा है।इसके अलावा जुनावई थाना क्षेत्र के गांव अहरौला नवाजी निवासी प्रेम सिंह, रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव बहटकरन निवासी बबलू गिरि, जिला बुलंदशहर के नरौरा निवासी संगम, हयातनगर के सरायतरीन निवासी राजीव कौशिक के खिलाफ अवैध वसूली करने और धमकाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि जगतपाल, प्रेमसिंह, बबलू गिरि और संगम को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की तलाश की जा रही है। पंजीकरण कानपुर का और अस्पताल संभल में संचालित एसपी ने बताया कि जब पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि गुन्नौर में संचालित कृष्णा नर्सिंग होम का पंजीकरण कानपुर का है, जबकि संचालन गुन्नौर में किया जा रहा है। इसी तरह बहजोई में संचालित लाइफ केयर हॉस्पिटल का पंजीकरण भी कानपुर का पाया गया। डीएम ने बताया कि पंजीकरण दूसरे जिले से कराकर भी संचालित नहीं किया जा सकता। इसी ऋम में यह कार्रवाई की गई है। जिन अस्पतालों में होती है घटना, उनसे करते हैं ज्यादा वसूली डीएम ने बताया कि जिन अस्पतालों में घटना हो जाती है, वहां जाकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी व अन्य लोग वसूली ज्यादा रुपये की करते हैं। यह जानकारी भी छानबीन में सामने आई है। कोई वसूली नहीं कर सके इसके लिए भी निगरानी कराई जाएगी। यदि कोई शिकायत मिलती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दस्तावेज हैं तो वह कराएं, शिविर लगवाएंगे डीएम ने कहा कि जो लोग अस्पताल, नर्सिंग होम या क्लीनिक संचालित करना चाहते हैं वह सीधे पंजीकरण कराएं। लंबित न रहें इसके लिए निर्देश दिए जाएंगे। जिनके दस्तावेज सही हैं वह पंजीकरण कराकर ही संचालन करें। किसी कर्मचारी या बाहरी व्यक्ति से सांठगांठ कर संचालन न करें। यदि ऐसा पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंजीकरण सरलता से किए जा सकें इसके लिए शिविर लगवाएंगे। इसके लिए बैठक कर निर्देश भी दे दिए

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

> 9027776991 knlslive@gmail.com

मूर्तिकार दिन रात मेहनत कर बना रहे मूर्ति, महंगाई का भी असर

मुरादाबाद- शारदीय नवरात्र में भव्य पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजेंगी। 22 सितंबर से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र को लेकर इस बार भी उत्साह है। महानगर के कालीबाड़ी, कांशीराम नगर,

नवीन नगर, दीनदयाल नगर, रामगंगा विहार, मंडी चौक, सूर्य सजाए जाएंगे। इन पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना अर्चना की जाएगी। कोलकाता से आए मूर्तिकार मां की मूर्तियों कोलकाता के गंगारामपुर निवासी शंकर एक माह से मुरादाबाद वह कांशीराम नगर स्थित कालीबाड़ी में मां दुर्गा की प्रतिमाओं कि इस वर्ष अब तक उन्हें आठ मूर्तियों के ऑर्डर मिले हैं, शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन दिनों दिन-रात मेहनत कर आयोजन में कोई बाधा न आए।हालांकि इस बार मूर्तिकारों के की लगभग सभी सामग्रियों के दाम बढ़ चुके हैं। शंकर बताते हैं 1000 रुपये में मिल जाती थी, जबिक इस बार इसकी कीमत भी इजाफा हुआ है। पहले 12 फीट का बांस 100 रुपये का रुपये में उपलब्ध है। लकड़ी के दाम भी पिछले साल की तुलना क्रिंटल थी, इस बार उसकी कीमत 2000 रुपये प्रति क्रिंटल हो



नगर, कटघर सहित कई क्षेत्रों में भव्य पंडाल कर नौ दिनों तक भक्ति और श्रद्धा से पूजा को आकार देने में पूरी तन्मयता से जुटे हैं। में रहकर प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। इस समय को अंतिम रूप देने में लगे हैं। शंकर बताते हैं जिनमें 8, 10 और 12 फीट ऊंची प्रतिमाएं समय पर मूर्तियां तैयार करनी पड़ती हैं, जिससे लिए काम करना आसान नहीं है। प्रतिमा निर्माण कि पिछले वर्ष चिकनी मिट्टी की एक ठेली 1200 रुपये तक पहुंच गई है। बांस के दामों में मिल जाता था, लेकिन अब वही 110 से 115 में बढ़े हैं। जो लकड़ी पहले 1800 रुपये प्रति गई है। कोलकाता से आएंगे वस्त्र, जेवर और

अन्य श्रृंगार मूर्तिकार मदन सरकार ने बताया कि प्रतिमाओं का प्रारूप तैयार करने के बाद वह कोलकाता आए हुए हैं। वहां से रंग, वस्त्र, जेवर और अन्य श्रृंगार सामग्री लाकर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने कहा कि दुर्गा प्रतिमा का आकर्षण तभी बढ़ता है जब उसमें रंगों की जीवंतता और श्रृंगार की भव्यता झलकती है। इस कारण हर साल कोलकाता से ही पारंपरिक सामान मंगाया जाता है। भले ही लागत बड़ी लेकिन काम में कमी नहीं मूर्तिकारों का कहना है कि भले ही इस बार लागत बढ़ी है, लेकिन श्रद्धा के कारण काम में कमी नहीं आई है। उनका विश्वास है कि मां दुर्गा की कृपा से सभी कठिनाइयां दूर होंगी और नवरात्र का पर्व इस बार भी धूमधाम से मनेगा। वहीं दुर्गा पूजा आयोजन सिमिति के पदाधिकारी बैठक कर आयोजन को भव्यता देने में जुट गए हैं। कई सिमितियों के द्वारा इस बार मां की भव्य प्रतिमाओं को भव्य व विशाल पंडाल में स्थापित करने की तैयारी हो रही है। भव्य पंडालों में विराजेंगी मां दुर्गा 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि को लेकर महानगर में प्रतिमाओं को अंतिम रुप कलाकार दे रहे हैं। कालीबाड़ी, नवीननगर, खुशहालपुर, बुद्धि विहार सहित अन्य स्थानों पर आयोजक तैयारी में लगे हैं। प्रोफेशनल डेकोरेटर के माध्यम से पंडाल की साज सज्जा कराई जाएगी। पंडाल स्थापित करने वाले जगहों पर सड़कों की मरम्मत, पथ प्रकाश आदि के लिए भी आयोजकों ने जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों से मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

कमल हत्याकांड: फरार अनमोल कश्यप ने एसएसपी कार्यालय में किया सरेंडर

मुरादाबाद- कटघर थाना क्षेत्र में सात सितंबर को हुए हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान हत्याकांड में फरार चल रहा आरोपी अनमोल कश्यप गुरुवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचा और हाथ जोड़कर सरेंडर कर दिया। आरोपी ने एसएसपी सतपाल अंतिल से कहा कि उसका नाम मुकदमे में है इसलिए वह गिरफ्तारी देने आया है। एसएसपी ने आरोपी को कटघर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।थाना कटघर क्षेत्र के दुर्गेश नगर डबल फाटक निवासी कमल चौहान को सात सितंबर की शाम करीब 5=40 बजे दससराय चौकी के पीछे कर्बला के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह साथी विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से घर लौट रहा था। कमल के भाई संजय चौहान ने सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव और नकुल यादव के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस ने 9 सितंबर को मुठभेड़ में मुख्य आरोपी सनी दिवाकर को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया था। उसकी पत्नी पूजा को भी जेल भेज दिया था। वहीं सनी के बयान पर लक्की यादव और अनमोल कश्यप का नाम मुकदमे में जोड़ा गया। लक्की यादव ने 12 सितंबर को एसपी देहात के सामने सरेंडर किया था। पुलिस के अनुसार अनमोल कश्यप ने पूछताछ में माना है कि वह वारदात के समय सनी दिवाकर के साथ था। तमंचा छिपाने की बात भी स्वीकार की है। पुलिस उसकी निशानदेही पर हथियार बरामद करने में जुटी है। इस हत्याकांड में अब तक चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं जबिक पांच नामजद फरार बताए जा रहे हैं।

शारिक साटा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी, दुबई में छिपा है संभल हिंसा का मास्टरमाइंड, जानें पूरा मामला

मुरादाबाद– संभल हिंसा का मास्टरमाइंड और अंतरराष्ट्रीय ऑटो लिफ्टर शारिक साटा दुबई में छिपा है। उसके खिलाफ 50 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह यूपी, दिल्ली व हरियाणा में वांछित है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी कर दिया है। जामा मस्जिद हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा की गिरफ्तारी के लिए संभल पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी किया है। आरोपी शारिक साटा वर्ष 2020 में फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गया और वहीं छिपा हुआ है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 24 नवंबर को संभल में हिंसा के दौरान 28 पुलिसकर्मी और एक एसडीएम घायल हुए थे, जबकि पांच लोगों की मौत हुई थी। इस हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा ही है। आरोपी उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा और दिल्ली में भी कई मामलों में वांछित है। पुलिस ने जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में उसकी भूमिका को प्रमुख मानते हुए कार्रवाई की है। पुलिस अब तक उसके कई गुर्गों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।इसमें मुल्ला अफरोज, गुलाम मुस्तफा समेत अन्य आरोपी शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया है कि शारिक साटा दुबई में बैठकर ही अपने गिरोह के जरिये लग्जरी वाहनों की चोरी और बिक्री कराता है। इतना ही नहीं, वह अपने गुर्गों को हथियार और कारतूस भी मुहैया कराता है। एएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि आरोपी विदेश में छिपा है। इसलिए उसकी गिरफ्तारी के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। इसके बाद इंटरपोल और अन्य एजेंसियों की मदद से आरोपी पर शिकंजा कसा जा सकेगा। हुसैन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई गया साटा शारिक साटा ने हुसैन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था और इसी पासपोर्ट पर दुबई भागा है। यह पासपोर्ट उसने वर्ष 2020 में दिल्ली के पते पर जारी कराया था। इसके बाद वह दुबई से अपनी गिरोह को ऑपरेट कर रहा है। पुलिस ने बताया कि पूरे देश में शारिक साटा के खिलाफ 54 मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें संभल के नखासा थाने में 12 और संभल कोतवाली में एक मामला दर्ज है। बाकी मुदकमे दूसरे जिले व प्रदेश में दर्ज हैं। बताया कि जो मुदकमे दर्ज हैं उसमें डकैती, लूट, चोरी, गैंगस्टर व अन्य संगीन मामलों के शामिल हैं। गिरोह के ज्यादातर सदस्य संभल के निवासी वर्ष 2022 में नवादा थाना पुलिस ने शारिक साटा गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार किए थे। आरोपियों से पूछताछ में बताया गया कि उन्होंने एक वर्ष में 300 से ज्यादा साटा के नंबर बेचकर लाखों रुपये की कमाई की थी। आरोपियों ने यह भी बताया था कि वह फिक्स के अनुसार साटा गेम चलाते थे। फिक्सिंग से नंबर जीतने का लालच मिश्रा ने बुकी के गिरोह तक खात्मा किया। इसके बाद पुलिस ने खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक

जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया। संपादक - नरेश राज शर्मा मो. 9027776991

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त

RNI NO- UPBIL/2021/83001

विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने

वाले दो और शूटर दिल्ली से हुए गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। अभिनेत्री दिशा पाटनी का घर बरेली शहर में हैं, जहां 11

और 12 सितंबर को लगातार दो दिन उनके मकान पर गोलियां लगाई गई थीं। शूटर हरियाणा से

अरुण का कनेक्शन रोहित गोदारा और गोल्डी बरार गैंग से था। अभिनेत्री के घर गोलीबारी की

जिम्मेदारी इन्हीं दोनों गैंग्स ने ली थी। गैंगस्टरों ने सनातन की रक्षा को लेकर गोलीबारी की बात

कही थी। इसलिए क्योंकि अभिनेत्री की बहन रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी कथावाचक अनिरुद्धाचार्य

पर टिप्पणी को लेकर चर्चा में थीं। गैंगस्टरों ने रिटायर्ड मेजर के परिवार को डराने के लिए उनके घर

फायरिंग कराई। दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी यूपी पुलिस के सीओ पद से रिटायर हैं। इस

घटना के बाद उनका परिवार हिल गया। हालांकि उनके पिता ने बेटी के बयान का बचाव करते हुए

कहा कि उनका परिवार सनातन के मूल्यों पर अट्ट विश्वास रखता है और उनकी बेटी के बयान को

गलत तरीके से पेश किया गया। वहीं मुठभेड़ में शूटरों को मार गिराए जाने के बाद भी गैंगस्टरों का

पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने सनातन की लड़ाई में दोनों को शहीद बताते हुए बदला लेने

की धमकी दी है। हालांकि अभिनेत्री के घर की सुरक्षा बड़ा दी गई और गैंग से जुड़े बदमाशों के

खिलाफ यूपी पुलिस कार्रवाई में तेज हो गई है। इसी ऋम में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने घटना

पूर्व शिक्षा मंत्री, बोले-वोट चोरी लोकतंत्र की हत्या

क्यूँ न लिखुँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। कांग्रेस के पूर्व शिक्षा मंत्री मसूद अहमद ने शुक्रवार को

बरेली में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा

हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के चुनावों में वोट चोरी कर लोकतंत्र की हत्या की जा

रही है। मसूद अहमद ने कहा कि राहुल गांधी को साजिशन निशाना बनाया जा रहा है ताकि उनकी

लोकप्रियता को रोका जा सके। मसूद अहमद ने बरेली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं डॉ. के.बी.

त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, मोहम्मद जकी, जाहिद अली खान, वसीम खान और नवाब

मुजाहिद हसन खान के साथ बैठक की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने

कहा कि बिहार में हाल ही में वोटिंग पैटर्न में गड़बड़ी की घटनाओं ने जनता का गुस्सा भड़का दिया

है। वहीं सड़कों पर लाठियां खा रहे नौजवान इस बात के गवाह हैं कि देश में कुछ बड़ा गलत हो रहा

है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं की साख

कमजोर कर दी। सुप्रीम कोर्ट तक के कामकाज में हस्तक्षेप हुआ है और अब वोट भी सुरक्षित नहीं

रह गए हैं। मसूद अहमद ने कहा कि देश की नई पीढ़ी जाग चुकी है और सब समझ रही है। उन्होंने

भ्रष्टाचार को चरम पर बताते हुए कहा कि अब जनता को खुलकर सवाल पूछना होगा। उन्होंने राहुल

गांधी को निशाना बनाने की साजिश का भी आरोप लगाया और कहा कि देश में नेपाल जैसी स्थिति

पैदा करने की कोशिश हो रही है, जहां युवाओं ने बदलाव का बिगुल बजाया था। बैठक में उन्होंने

कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि कांग्रेस आने वाले दिनों में हर जिले में जनसभाएं और जागरूकता

अभियान चलाएगी। देश के लोकतंत्र की रक्षा के लिए युवाओं को आगे आना होगा। अब सिर्फ बातों

है, साजिश में राहुल को बनाया जा रहा निशाना

में शामिल दो और शूटरों को गिरफ्तार कर लिया और उनसे पूछताछ की जा रही है।

चला है कि 11 सितंबर को दो

फायरिंग की थी। इसके बाद

फिर गोलियां चलाई गईं। इस

फैला दी। बरेली पुलिस एक्टिव

एसटीएफ ने दिल्ली-हरियाणा

में दो शूटरों को गाजियाबाद में

था। मारे गए शूटर रविंद्र और

आए थे। पुलिस जांच में पता

नाबालिग हमलावरों ने

अगले दिन 12 सितंबर को

घटना ने बरेली में दहशत

हुई। 17 सितंबर को यूपी

पुलिस के संयुक्त ऑपरेशान

एक मुठभेड़ में मार गिराया

शाहीन-ए-हिंद अध्यक्ष मोहसिन अंसारी ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ क्या अब मोहब्बत जताना भी जुर्म है? -मुरादाबाद से उठे सवाल मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में अब मोहब्बत का इज्हार भी मुसलमानों के लिए अपराध बन गया है। "I Love Mohammad" लिखे बोर्ड को मुद्दा बनाकर बारावफ़ात से ठीक पहले यूपी पुलिस ने मुस्लिम समाज के दो दर्जन से अधिक लोगों पर मुक़दमे दर्ज कर दिये। इस कार्रवाई से पूरे जिले में गुस्सा और आक्रोश का माहौल है। शाहीन-ए-हिंद ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष एवं पत्रकार मोहसिन अंसारी ने इस मामले को लेकर थाना भोजपुर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा



एफआईआर झेल रहे हैं। ज्ञापन में यह भी लिखा गया कि भारत का मुसलमान जितनी मोहब्बत इस्लाम से करता है, उतनी ही मोहब्बत अपने वतन भारत से भी करता है। इस्लाम ने हमें सिखाया है कि देश से मोहब्बत करो और भाईचारे के साथ रहो। लेकिन सरकार और पुलिस का गया कि क्या इस देश में अब रवैया इस शिक्षा के बिल्कुल मोहब्बत जताना भी जुर्म हो गया विपरीत है। मोहसिन अंसारी ने है? मोहम्मद साहब से मोहब्बत कहा हम यह सवाल सरकार से करना मुसलमानों की रूह का पूछना चाहते हैं कि आखिर हिस्सा है। अगर कोई 'I मुसलमानों की आस्था को बार-Love Mohammad' बार क्यों निशाना बनाया जा रहा लिख दे तो क्या वह अपराधी है? मोहब्बत जाहिर करना जुर्म है? जबिक असल अपराध तो नहीं हो सकता। असली खतरा नफ़रत फैलाना है। लेकिन तो नफ़रत से है, लेकिन सरकार अफ़सोस, आज वही नफ़रत उसी नफ़रत की हिफाज़त कर फैलाने वाले संरक्षण पा रहे हैं रही है। हम चाहते हैं कि दर्ज मौजूद रहे।

और मोहब्बत जताने वाले सभी मुक्दमे तत्काल वापस लिये जाएँ और प्रशासन अपने भेदभावपूर्ण रवैये को बंद करे। ज्ञापन के अंत में तंजिया अंदाज में कहा गया जिस दौर में मोहब्बत पर मुकदमे हों और नफ़रत पर इनाम मिले, समझ लीजिए उस दौर की हुकूमत इंसाफ़ की नहीं, इम्तिहान की हुकूमत है।इस मौके पर शाहीन ए हिंद ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष पत्रकार मोहसिन अंसारी, राहत नईमी इमाम नगीना मस्जिद, रेहमान अंसारी समाजसेवी, इस्तेकार सभासद, फिरोज आलम, डॉ मुनाजिर, नबी हसन चौधरी, नौशे अली, मोहम्मद नासिर, मोहम्मद फसी, मोहम्मद रेहान, नासिर अली, मोहम्मद नाजिर, आदि लोग

काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह में विभिन्न विभूतियों को किया गया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ सत्यमशर्मा/ बरेली। काव्य गोष्ठी आयोजन समिति खुश्लोक सभागार में कवि सम्मेलन व विभिन्न विभूतियों को सम्मानित किया गया। गोष्ठी और सम्मान समारोह में डॉ विनोद पागरानी निदेशक खुशलोक हॉस्पिटल मुख्य अतिथि, रणधीर प्रसाद गौड धीर जी संस्था सेवी,प्रकाश निर्मल हास्य व्यंग कवि,एस के कपूर श्री हंस संपन्न हुआ। इस अतीव सुंदर कार्यक्रम को हिंदी पखवाड़े में उत्तरीय डॉ विनोद पागरानी जी अभिषेक अग्निहोत्री, उमेश

प्रदान किया गया । इस सुअवसर पर विशाल मेहरोत्रा को विविध कार्यों के लिए भी अध्यक्ष,उपमेंद्र सक्सेना जी डॉ विनोद पागरानी जी, रणधीर संस्था सचिव, रमेश गौतम प्रसाद गौड़, एस के कपूर श्री विशिष्ट अतिथि, प्रभाकर मिश्रा हंस तथा उपमेंद्र सक्सेना द्वारा पूर्व राजभाषा अधिकारी, विशाल उत्तरीय व स्मृति चिन्ह देकर मेहरोत्रा हिंदी प्रेमी व समाज सम्मानित किया गया। मंचस्थ विद्व जनों सहित विश्वानी देव अग्रवाल, इंद्र देव त्रिवेदी,डॉ कार्यक्रम आयोजक एवं श्री राज प्रणब गौतम, संध्या सक्सेना, शुक्ल गजलराज जी के संचालन गजेंद्र सिंह, मुकेश कुमार में लोक खुशहाली सभागार में सक्सेना, मोहन चंद्र पाण्डेय मनुज, सुभाष राहत बरेलवी, अमित मनोज, लक्षेश्वर राजू कवि सम्मेलन आयोजित किया गंगवार,पूनम गंगवार, राम कुमार कार्यक्रम में श्री एस के कोली,सुरेंद्र वीनू सिन्हा , कपूर श्री हंस को संस्था द्वारा रामाशंकर प्रेमी, राम कुमार प्रदत सम्मान पत्र,स्मृति चिन्ह, अफरोज,हरिकांत मिश्र चातक,

कुर्की अमीन पर हमला, दस्तावेज फाड़े, जान से मारने की कोशिश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बिथरी चैनपुर के मानपुर बाजार में बकाया वसूली करने पहुंचे संग्रह अमीन पर बाकीदार और उसके परिवार ने हमला कर दिया। अमीन को गाली-गलौज कर जमीन पर गिरा लिया, लाठी-डंडों से पीटा और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। आरोपियों ने सरकारी दस्तावेज भी फाड़ दिए। किसी तरह जान बचाकर अमीन थाने पहुंचा और तहरीर दी। जानकारी के मुताबिक, पारिवारिक न्यायालय ने डालचन्द्र पुत्र श्योराज निवासी मानपुर बाजार के खिलाफ 2.21 लाख रुपये की वसूली का आदेश दिया था। इसी आदेश के तहत 18 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे तहसील सदर में तैनात संग्रह अमीन कुर्की की कार्रवाई करने गांव पहुंचा। अमीन का आरोप है कि डालचन्द्र ने आते ही उसे गालियां देनी शुरू कर दीं। उसकी दूसरी पत्नी और बेटियां लाठी–डंडों के साथ मारपीट करने लगीं। विरोध करने पर दस्तावेज छीनकर फाड़ डाले और मिलकर गला दबाकर मारने की कोशिश की। हमलावरों ने धमकी दी कि अगर दोबारा गांव में आया तो जान से हाथ धो बैठेगा। पीड़ित ने बिथरी चैनपुर थाने में तहरीर देकर सुरक्षा और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।



श्री गौड साहब, उपमेंद्र जी द्वारा त्रिनुगायत अद्भुत,प्रवीण शर्मा जीवंत व सुरुचिपूर्ण बनाया।

(बोल बरेली बोल),राज कुमार अग्रवाल, डॉ राजेश शर्मा ककरेली, किशन स्वरूप सक्सेना, डॉ अखिलेश गुप्ता,डॉ रेण श्रीवास्तव, मनोज सक्सेना मनोज, रमेश रंजन, रीतेश साहनी,आदि अनेक कविगणों ने हिंदी के गुणगान तथा अनेक विषयों पर अति उत्तम काव्य पाठ किया और कार्यक्रम को

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने डॉक्टर मोहम्मद फ़ाज़िल से की मुलाक़ात, क्या रोहिलखंड की राजनीति के बदलेंगे समीकरण?

से नहीं, बल्कि मैदान में उतरकर अधिकारों के लिए लड़ने का वक्त है।

क्यूँ न लिखूँ सच/ बरेली, आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने आज बरेली पहुंचकर समाजसेवी और आला हज्रत सर्जिकल एंड ट्रॉमा सेंटर के डायरेक्टर डॉ. मोहम्मद फ़ाज़िल से मुलाक़ात की। करीब 45 मिनट तक बंद कमरे में चली इस मुलाक़ात ने राजनीतिक गलियारों में अटकलों का तूफ़ान खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि मुलाकात बेहद गंभीर और गोपनीय माहौल में हुई, जिसमें आने वाले विधानसभा चुनाव और राजनीतिक समीकरणों पर गहन चर्चा हुई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सिर्फ़ औपचारिक मुलाकृात नहीं थी, बल्कि इसके पीछे आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति छुपी हुई है। डॉ. मोहम्मद फ़ाज़िल कोई आम शख्सियत नहीं हैं। वो लंबे समय से समाजसेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रहे हैं और खासतौर पर मंसूरी समाज को संगठित करने में

उनकी बड़ी भूमिका मानी जाती



बिथरी चैनपुर विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी, लेकिन पार्टी के अंदरूनी खींचतान और पुराने नेताओं की राजनीति ने उनके रास्ते में रोड़े अटका दिए। लेकिन चुनाव के बाद डॉ. फ़ाज़िल पीछे नहीं हटे। बल्कि उन्होंने बरेली मंडल के अपने साथ जोड़ने की कोशिशें 25 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर संगठन और समाज को मजबूत करना शुरू कर दिया। उनकी साफ़ छवि, बढ़ती कि डॉ. फ़ाज़िल रोहिलखंड की सिक्रयता और जनसेवा के कार्यों ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बना दिया है। यही कारण है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार की शर्त पर हमारे संवाददाता से में राज्य मंत्री दानिश आज़ाद कहा अगर डॉ. मोहम्मद फ़ाज़िल

मुलाक़ात के बाद भी राजनीतिक चर्चाओं का बाज़ार गर्म हो गया था। और अब चंद्रशेखर आज़ाद का उनसे मिलना, विपक्ष की राजनीति को नई दिशा देता हुआ नज़र आ रहा है। राजनीतिक सूत्रों की मानें तो बसपा और कांग्रेस भी डॉ. फ़ाज़िल को लंबे समय से कर रही हैं। और अब आज़ाद समाज पार्टी की एंट्री ने यह साफ़ कर दिया है राजनीति में किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।सपा के एक बड़े नेता ने नाम न छापने

और उन्होंने किसी अन्य दल का दामन थाम लिया, तो न सिर्फ बरेली बल्कि पूरे मंडल में सपा को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल, डॉ. फ़ाजलि का प्रभाव केवल मंसूरी समाज तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनकी पकड़ हर तबके में मज़बूत होती जा रही है। ऐसे में यह मुलाकात 2027 के विधानसभा चुनाव के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है। क्या चंद्रशेखर आज़ाद और डॉ. फ़ाज़िल की ये मुलाक़ात आने वाले चुनावी गठजोड़ की भूमिका है? क्या रोहिलखंड की राजनीति में नया मोर्चा बनने जा रहा है? और सबसे अहम-क्या डॉ. फ़ाज़िल का सपा से मोहभंग होना अखिलेश यादव के लिए बरेली मंडल में सियासी झटका साबित होगा? फिलहाल, इस बंद कमरे की मीटिंग के बाद रोहिलखंड की राजनीति में नए समीकरण बनने की सुगबुगाहट तेज़ हो चुकी है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में डॉक्टर फ़ाज़िल का अगला क्दम क्या होता है?

का सपा से मोहभंग हो गया

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मिस्टर बरेली बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप आज संजय कम्युनिटी हॉल में सम्पन्न होगी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा/ बरेली । संजय कमेटी हॉल में शनिवार को बाबा हेल्थ क्लब द्वारा मिस्टर बरेली बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह जानकारी वाइस प्रेसिडेंट राकेश भारद्वाज ने दी । उन्होंने बताया कि बाबा हेल्थ क्लब द्वारा उत्तर प्रदेश बॉडीबिल्डिंग बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रदेश भर के कई जिलों के बॉडी बिल्डर अपना पराऋम प्रदर्शित करने आ रहे हैं। इसमें बॉडी बल्डरों को मिस्टर बरेली सहित कई उपाधियों से नब्ज जाएगा।प्रतियोगिता में विपिन बाबा जनरल सेऋेटरी, महेश शर्मा, राजेंद्र घिल्डियाल प्रेसिडेंट, राजेश भारद्वाज वाइस प्रेसिडेंट, परवेज मियां, सलीम अख्तर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगें।

डॉक्टर मोहम्मद रिहान को AIMIM में जिला सचिव के पद पर किया गया नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद : AIMIM पार्टी ने मुरादाबाद के खय्या खद्दर निवासी डॉक्टर मोहम्मद रिहान को मुरादाबाद नियुक्त किया है।



यह नई जिम्मेदारी मोहम्मद रिहान एक समाज सेवी है कार्यों को देखते हुए भूमिका दी गई

कार्यालय पर आकर विधानसभा 27 मुरादाबाद देहात के ग्राम खय्या खद्दर के डॉ मोहम्मद रिहान,अनवार और हाशिम मलिक साहब ने आज एआइएमआइएम की सदस्यता हासिल की जब डॉक्टर मोहम्मद रिहान साहब को जिला सचिव मुरादाबाद

पीलीभीत पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम में की शिरकत

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुऋवार को पीलीभीत पहुंचे। उन्होंने भाजपा कार्यालय पीलीभीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित %सेवा पखवाड़ा% के तहत प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया।अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का हैलीकॉप्टर पीलीभीत मुलिस लाइन के हेलीपैड पर कड़ी सुरक्षा के बीच सुरक्षित लैंडिंग हुआ। तत्परता के साथ उनका काफिला भाजपा कार्यालय पीलीभीत पहुंचा, जहाँ उन्होंने कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक के बाद, उपमुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रबुद्धजन संवाद कार्यऋम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा यह सेवा पखवाड़ा हमें यह स्मरण कराता है कि समाज की निस्वार्थ सेवा ही सच्चे जनप्रतिनिधि का धर्म है। सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत

आ । यो जित कार्यक्रमों में अधिक अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।



उनकी अगुवाई में कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था, लेकिन स्वागत समारोह में व्यवस्था की कुछ दिक्कतों के चलते जिला अध्यक्ष द्वारा कई बार अनुरोध करने के बावजूद कुछ कार्यकर्ता और नेता अनुशासित नहीं थे, जिनके कारण सुरक्षाकर्मियों को व्यवस्था संभालनी पड़ी। अपने संबोधन में केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता ने सत्ता के सुख से इन्हें हटाया है। और इसलिए भाजपा द्वारा किए गए विकास कार्यों को वे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने जनसेवा और स्वच्छता के महत्व पर बल देते हुए कार्यकर्ताओं को और अधिक सिक्रय होने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम भाजपा के संगठन और सरकार की जनता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। इस अवसर पर उपस्थित राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख और राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सेवा पखवाड़ा अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। आपको बता दें की सेवा पखवाड़ा अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हुआ है और 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और प्रबुद्धजन सम्मेलन शामिल हैं। इस अवसर पर राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख , राज्य मंत्री श्री संजय सिंह गंगवार भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह , विधायकगण, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत सभी प्रशासनिक अधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

14 साल 7 माह पुराने मुकदमे की होगी पुनर्विवेचना, पौने पांच घंटे में लगा दी थी क्लोजर रिपोर्ट

होटल मालिकन साकेतनगर निवासी महिला ने आरोप लगाया था कि अखिलेश दुबे के दबाव में

पुलिस ने पहले, तो मुकदमा दर्ज नहीं किया और जब कोर्ट के आदेश से मामला दर्ज हुआ, तो कुछ ही घंटों में क्लोजर रिपोर्ट लगाकर उसे बंद कर दिया गया। कानपुर में 14 साल सात माह पहले खत्म किए गए मुकदमे की



विवेचना एसीपी नौबस्ता चित्रांशु गौतम करेंगे। विवेचक ने पौने पांच घंटे की जांच के बाद क्लोजर रिपोर्ट लगा दी थी। इस मामले की बुधवार को पुनर्विवेचना के आदेश कोर्ट ने दिए थे। इसी ऋम पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने आदेश जारी कर दिए हैं। उस समय क्लोजर रिपोर्ट लगाने वाले तत्कालीन विवेचक राजेश कुमार तिवारी (सेवानिवृत्त) की भूमिका की जांच एसीपी बाबूपुरवा दिलीप सिंह करेंगे। होटल मालिकन साकेतनगर निवासी महिला ने आरोप लगाया था कि अखिलेश दुबे के दबाव में पुलिस ने पहले, तो मुकदमा दर्ज नहीं किया और जब कोर्ट के आदेश से मामला दर्ज हुआ, तो कुछ ही घंटों में क्लोजर रिपोर्ट लगाकर उसे बंद कर दिया गया। वर्ष 2010 में छह दिसंबर को अजय निगम अपने चार साथियों के साथ होटल पहुंचा और विवाद किया। विरोध करने पर गाली–गलौज, मारपीट की। महिला ने उसी समय जूही थाने में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने कार्रवाई न करते हुए उन्हें डांटकर भगा दिया। पौने पांच घंटे बाद लगा दी क्लोजर रिपोर्ट– इसके बाद उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर 31 जनवरी 2011 को शाम 5-45 बजे मुकदमा दर्ज हुआ। हैरानी की बात यह रही कि महज पौने पांच घंटे बाद रात 10-30 बजे विवेचक राजेश तिवारी ने क्लोजर रिपोर्ट लगाकर केस को एक्सपंज कर दिया। स्टाफ अफसर राजेश पांडेय ने बताया कि पुनर्विवेचना एसीपी नौबस्ता और तत्कालीन विवेचक की भूमिका पर एसीपी बाबूपुरवा करेंगे। इसके बाद कोर्ट को पूरी मामले की जांच से अवगत कराया जाएगा।

नव युवक दुर्गा पूजा समिति को 16,100 रुपये का सहयोग

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रतापपुर। आश्रमपारा स्थित नव युवक दुर्गा पूजा समिति को इस वर्ष दुर्गा पूजा आयोजन के लिए शिक्षक विजय कमार



आयोजन के लिए शिक्षक विजय कुमार जायसवाल के पुत्र रुद्रांश जायसवाल ने 16,100 रुपये का सहयोग राशि प्रदान किया। राशि प्रदान करने के अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने रुद्रांश जायसवाल के इस योगदान की सराहना की और कहा कि समाज के युवा वर्ग की ऐसी भागीदारी धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को

मजबूती देती है। सिमिति ने बताया कि दुर्गा पूजा जैसे महापर्व में स्थानीय लोगों का सहयोग और आस्था ही इसकी सफलता की आधारिशला है। सिमिति के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार का आर्थिक सहयोग न केवल आयोजन को भव्य बनाने में सहायक होता है बिल्क समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक परंपरा को भी और मजबूत करता है। उन्होंने रुद्रांश जायसवाल और उनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्थानीय लोगों ने भी रुद्रांश जायसवाल के इस योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं द्वारा धर्म और संस्कृति के प्रति दिखाया गया समर्पण आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है।

मुख्तार के बेटे उमर अंसारी को हाईकोर्ट से मिली जमानत, फर्जी हस्ताक्षर मामले में कोर्ट से मिली बड़ी राहत

माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। कुर्क जमीन को मुक्त कराने के लिए कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों पर मां अफ्शां बेगम का फर्जी हस्ताक्षर

करने के आरोप में उमर के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को छुड़ाने के लिए अपनी मां का फर्जी



हस्ताक्षर करने के आरोप में उमर अंसारी की जमानत याचिका मंजूर कर ली है। फर्जी हस्ताक्षर मामले में उमर के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। उमर अंसारी फिलहाल जेल में बंद हैं। जमानत के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की एकल पीठ के समक्ष याची उमर की तरफ से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा। यह है मामला- गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में उमर पर मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को कोर्ट से छुड़ाने के लिए फर्जी दस्तावेज और मां के हस्ताक्षर किए हैं। पुलिस ने उमर को लखनऊ से गिरफ्तार किया था। उमर ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की। उमर फिलहाल कासगंज की पचलाना जेल में बंद है। 23 अगस्त को उसे गाजीपुर की जेल से कासगंज ले जाया गया था। चार अगस्त को पुलिस ने लखनऊ से किया था गिरफ्तार कासगंज जेल में बंद उमर अंसारी की जमानत अर्जी को एडीजे प्रथम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मां अफ्शा अंसारी का फर्जी हस्ताक्षर कर जालसाजी के मामले में उमर अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। 21 अगस्त को गाजीपुर की एडीजे प्रथम कोर्ट ने उमर अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। उमर अंसारी के खिलाफ गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में 3 अगस्त 2025 को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। चार अगस्त को उमर अंसारी को पुलिस ने लखनऊ के दारूलशफा स्थित विधायक निवास से गिरफ्तार किया था। उमर के खिलाफ थानाध्यक्ष मुहम्मदाबाद ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिस प्रॉपर्टी के लिए फर्जी हस्ताक्षर का आरोप है उसकी कीमत 10 करोड़ से अधिक है। यह प्रॉपर्टी सदर कोतवाली के बल्लभ देवढ़ी दास मोहल्ले में स्थित है। इसके डीएम के आदेश पर 2021 में कुर्क किया गया था। इसी भूमि को रिलीज कराने के लिए कोर्ट में दस्तावेज जमा किए गए थे। जांच में पाया गया कि दस्तावेजों पर जो हस्ताक्षर हैं वह अफ्शां के नहीं हैं। जब्त प्रॉपर्टी मुक्त कराने के लिए उमर अंसारी ने मां आफशां अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर से वकालतनामा दाखिल किया गया था, जबकि मां मां आफशां अंसारी फरार हैं। आफशां अंसारी पर 50 हजार का इनाम घोषित है।

ठाडपाथर में बड़ा हादसा - आकाशीय बिजली गिरने से 9वीं के छात्र की मौत, दो साथी गंभीर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ स्कूल से लौट रहे थे तीनों छात्र, बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़े हुए – बिजली गिरते ही मातम में बदला गांव चांदनी बिहारपुर। जिले के ओडगी विकासखण्ड के चांदनी बिहारपुर अंचल के ठाडपाथर क्षेत्र में आज शुक्रवार की शाम लगभग 4 बजे दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूल से पढ़ाई कर लौट रहे तीन छात्रों पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस घटना में रंजीत सिंह



गुरु घासीदास नेशनल पार्क से फिर वायरल वीडियो: तस्करों का जंगल पर कब्ज़ा, विभाग मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ टाइगर रिज़र्व बनने जा रहा गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, फिर भी लकड़ी माफ़ियाओं की दबंगई सोशल मीडिया पर उजागर सीमा पर जंगल लुटेरों का साम्राज्य! गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान से वायरल वीडियो ने खोली विभाग की पोल तस्करों का

बैरियर पार करना हुआ वायरल, रही लूट सरकार के टाइगर रिज़र्व सच गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान माफ़ियाओं का कब्ज़! सीमा पर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा पर टाइगर रिज़र्व बनाने की प्रक्रिया चपेट में है। सरकार जहाँ इस क्षेत्र दावा कर रही है, वहीं जमीनी का सीना छलनी कर रहे हैं और तस्करी का गढ़ बने सीमावर्ती गांव रामगढ़, उमझर, रसौकी, खोहीर, आसपास के दर्जनों गाँव लकड़ी मोटरसाइकिल, साइकिल और यहाँ





दावों के बीच जंगल की तस्करी का वायरल बना रहा है टाइगर रिज़र्व फिर भी लकड़ी जंगल उजड़ रहे, विभाग चुप क्यों? सूरजपुर। फैला गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, जिसे अब चल रही है, लगातार लकड़ी माफ़ियाओं की को वन्यजीव संरक्षण का बड़ा केंद्र बनाने का हकीकत यह है कि तस्कर दिनदहाड़े जंगल विभाग के कर्मचारी मूकदर्शक बने हुए हैं। सीमा क्षेत्र के गाँव चोगा, महुली, कछवारी, बैजनपाठ, लूल्ह, कोल्हुआ, शाहिद और तस्करी के अड्डे बन गए हैं। यहाँ से रोजाना तक कि कंधों पर लकड़ी ढोकर जंगल से

गुरु घासीदास उद्यान में संरक्षण की बजाय हो

बाहर निकाली जाती है और सीमावर्ती मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले तक पहुँचाई जाती है। सोशल मीडिया ने खोली पोल पिछले कुछ दिनों से वायरल हो रहे वीडियो ने विभाग की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। वीडियो में तस्कर मेन रोड कोल्हुआ से होते हुए कोल्हुआ मकरादुवारी बैरियर को आसानी से पार करते नज़र आ रहे हैं। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि— बैरियर पर चेकिंग रहती है, फिर इतनी बड़ी तस्करी कैसे निकल रही है? क्या इसमें विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत नहीं है? तस्करी के तय रास्ते जंगल से लकड़ी निकालने के लिए तस्कर रोजाना कई मुख्य और गुप्त रास्तों का उपयोग करते हैं— बोकराटोला मेन रोड पठारी पगडंडी मार्ग मकरादुवारी शिव मंदिर मार्ग महुली—कोल्हुआ मेन रोड भाटपारा स्कूल मार्ग इन मार्गों से लकड़ी की ढुलाई बिना किसी रोकटोक के होती रहती है। विभाग की लापरवाही या मिलीभगत? ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों की मिलीभगत भी इस अवैध कारोबार को पनपा रही है। यदि विभाग सख्त होता तो तस्करों की हिम्मत नहीं पड़ती कि बैरियर पार कर सकें, ऐसा कहना है स्थानीय लोगों का। रेंजर की सफाई इस संबंध में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर लिलतसाय पैकरा ने स्वीकार किया कि वायरल वीडियो उनके पास भी पहुँचा है। उन्होंने कहा तस्करों की पहचान कर ली गई है और जल्द कार्रवाई की जाएगी। स्टाफ की भारी कमी के कारण निगरानी में कठिनाई होती है, लेकिन प्रयास जारी है। पर्यावरण और वन्यजीव पर संकट विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लकड़ी तस्करी पर रोक नहीं लगाई गई तो जंगल के साथ–साथ वन्यजीवों का भी अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। खासकर जब यह इलाका टाइगर रिज़र्व बनने जा रहा है, तब इस तरह की गतिविधियाँ पूरे प्रोजेक्ट पर सवाल खड़े करती हैं।

निवासी विशालपुर की मौके पर ही मौत हो गई, जबिक उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों छात्र कक्षा नवमी में पढ़ते थे। शुऋवार को स्कूल की छुट्टी के बाद रंजीत सिंह, सुनील कुमार पिता हरि शरण बैस और अनूप कुमार पिता रामदेव बैस घर लौट रहे थे। ठाडपाथर-रेडीपहाड़ी मार्ग पर अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों छात्र सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान आकाशीय बिजली उस पेड़ पर गिरी और तीनों छात्र उसकी चपेट में आ गए। रंजीत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबिक सुनील और अनूप गंभीर रूप से झुलस गए। घायल बच्चों का इलाज जारी घटना की सूचना पर ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और। दोनों घायलों को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत चिंताजनक बताई है और बेहतर इलाज के लिए उन्हें रेफर करने की तैयारी की जा रहा है गांव में मातम और दहशत मासूम छात्र की मौत की खबर सुनते

पिता जगनाथ उम्र 15 वर्ष,

ही विशालपुर गांव में कोहराम

मृतक रंजीत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन अब तक कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं कर पाया। लोगों ने बताया कि इस इलाके में दर्जनों बार बिजली गिरने से इंसानों और मवेशियों की जान जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप - न जागरूकता, न सुरक्षा ग्रामीणों ने कहा कि - गांवों में लाइटनिंग अरेस्टर तक नहीं लगाए गए। प्रशासन की लापरवाही के कारण हर साल इस तरह मासूमों की जान जाती है प्रशासन पर उठे सवाल ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल इस क्षेत्र में लाइटनिंग अरेस्टर लगाए जाएं, जागरूकता अभियान चलाए जाएं और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

<u>संक्षिप्त समाचार</u>

हाईवे पर भीषण हादसा: कार की टक्कर के बाद 10 मीटर तक घसीटती रही बाइक, महिला समेत दो की मौत; एक घायल

वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर दर्दनाक हादसा हुआ। गिराई पावर हाउस के सामने कार की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई।

युवक घायल हो गया। भदोही जिलेकी कोतवाली क्षेत्र के गिराइ



हाउस के सामने वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर बृहस्पतिवार की देर रात तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार महिला और एक युवक की मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल का उपचार वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। कैसे हुआ हादसा- ऊंज थाना क्षेत्र के सिकी चौरा बिछिया निवासी नचना देवी (65) अपने पड़ोस के रोहित कुमार (25) और जौहरपुर निवासी अपने भतीजे तूफानी प्रजापति (35) के साथ एक बाइक पर बैठकर अपने मायके गोपीगंज कोतवाली के जौहरपुर जा रही थी। बाइक रोहित चला रहा था। 10 मीटर तक घसीटती रही बाइक बताया जा रहा है कि वे जौहरपुर पहुंचने ही वाले थे कि कुछ दूर पहले ही हाईवे पर गिराई पावर हाउस के ठीक सामने एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक करीब 10 मीटर तक घसीटती रही। घटना में नचना देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रोहित और तूफानी गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन दोनों को गोपीगंज सीएचसी पहुंचाया गया। दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इलाज के दौरान रोहित ने भी दम तोड़ दिया। वहीं तूफानी की गंभीर स्थिति बनी हुई है। दो कार सवार पुलिस हिरासत में इधर, घटना की जानकारी होते ही पुलिस ने कार सवार दो लोगों को हिरासत में ले लिया। वहीं परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दो मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक रोहित चार भाई में छोटा था।

मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में पहली बार हाइडैटिड सिस्ट लीवर की सफल सर्जरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राज शर्मा (कटारे)/शिवपुरी। श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय



शिवपुरी में पहली बार 64 वर्षीय मरीज के लीवर से हाइडैटिड सिस्ट को सफलतापूर्वक निकाला गया। डॉक्टरों की टीम ने बताया कि समय पर ऑपरेशन न होता तो यह सिस्ट फट सकता था, जिससे मरीज की जान को गंभीर खतरा था। इस जटिल ऑपरेशन को मेडिकल कॉलेज डीन एवं सर्जन डॉ. डी. परमहंस सर्जन डॉ. नीति अग्रवाल तथा एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. शिल्पा अग्रवाल की टीम ने अंजाम दिया। सर्जरी के दौरान लीवर से 16म11 से.मी. आकार की सिस्ट निकालकर मरीज को नया जीवन दिया गया। डॉ. नीति अग्रवाल ने बताया कि मरीज सरदार सिंह निवासी गुना, लंबे समय से हर्निया और पेट दर्द से परेशान थे। जांच में हाइडैटिड सिस्ट की पुष्टि होने पर सर्जरी की सलाह दी गई। इसके बाद हर्निया के साथ सिस्ट का भी सफल ऑपरेशन किया गया। डीन डॉ. परमहंस ने बताया कि हाइडैटिड सिस्ट एक पैरासाइटिक संक्रमण है, जो एकीनोकॉकस ग्रैनुलोसस नामक टेपवर्म के लार्वा से होता है। यह संक्रमण मुख्य रूप से लिवर और फेफड़ों को प्रभावित करता है। समय पर इलाज न मिलने पर यह सिस्ट फटकर जीवन के लिए घातक बन सकता है। सर्जरी के बाद मरीज को ऑब्ज़र्वेशन में रखा गया है और सिस्ट को जांच हेतु पैथोलॉजी विभाग की लैब भेजा गया है।



कांधला में थानाध्यक्ष सतीश कुमार का जलवा गढी पुख्ता में अज्ञात युवक की अपराधियों की कमर टूटी, फरियादियों को

क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता / कांधला शामली थानाध्यक्ष सतीश कुमार का नाम सुनते ही अपराधियों की सांसे थम जाती हैं। नशा तस्कर भूमिगत, जुआरी गायब और अपराधी कांधला से दूर भागने को मजबूर थानाध्यक्ष सतीश कुमार की सखूत और बेखौफ़ कार्यशैली ने अपराधियों की नींद हराम कर दी है। चाहे नशा तस्करी हो, जुआ, छेड़छाड़ या मारपीट - हर मामले में अपराधियों को तुरंत जेल की हवा खिलाई जा रही है। फरियादियों के लिए इंसाफ का दरबार अब थाने का चेहरा बदल चुका है। पहले जहाँ लोग अपनी शिकायत लेकर आने से हिचकिचाते थे, वहीं अब निडर होकर पहुँचते हैं। थानाध्यक्ष हर फरियादी की सुनवाई खुद करते हैं और तुरंत एक्शन लेते हैं। दिन-रात ड्यूटी सेवा ही धर्मसती श कुमार नौकरी को नहीं, बल्कि जनता की सेवा को अपना कर्तव्य मानते हैं। दिन हो या रात, किसी भी समय फरियादी पहुँचें थानाध्यक्ष तत्पर खड़े मिलते हैं। यही समर्पण अपराधियों पर बिजली की तरह गिर रहा है। सादगी और ईमानदारी - जनता का दिल जीता लोहे जैसी सखूती के बावजूद सतीश कुमार का सादा स्वभाव और सेवा भाव जनता को अपना बना रहा है। लोग कहते हैं - वर्दी में सखूत, लेकिन दिल से अपने जैसे सरलनशा तस्करों में खौफ कांधला अब सुरक्षित अड्डा नहीं अपराधियों की नींद हराम - नाम सुनते ही काँप रहे फरियादियों को तत्काल इंसाफ थाने में गारंटी से सुनवाई दिन रात ड्यूटी जनता की सुरक्षा सबसे पहले सादगी और ईमानदारी जनता के दिलों के हीरो कांधला आज अमन-चैन और अपराध-मुक्ति की ओर बढ़ रहा है। और इसका श्रेय सिर्फ और सिर्फ थानाध्यक्ष सतीश कुमार को जाता है। जनता गर्व से कह रही है सतीश कुमार हैं तो कांधला महफूज़ है।

नवरात्रि व विजयदशमी को लेकर जालौन में पीस कमेटी की <u>बैठक</u> सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का लिया संकल्प, जिलाधिकारी सम्बंधित अधिकरियों को दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में आगामी नवरात्रि और विजयदशमी पर्व के दृष्टिगत विकास भवन के रानी



लक्ष्मीबाई सभागार में शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान साफ–सफाई, पेयजल, बिजली और मार्गों की मरम्मत जैसी व्यवस्थाएं प्राथमिकता से पूरी को जाएं। साथ ही मूर्ति विसर्जन मार्गों पर बैरिकेडिंग, एम्बुलेंस तैनाती सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का संदेश

देते हैं, इसलिए सभी का दायित्व है कि शांति व सद्भाव बनाए रखें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और सीसीटीवी व ड्रोन से सतर्क निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने आयोजकों से अपील की कि मूर्ति विसर्जन निर्धारित मार्ग और अनुमित शर्तों के अनुसार ही निकाले जाएं तथा ध्विन विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासनादेशों के अनुरूप किया जाए। बैठक में मौजुद धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि नवरात्रि और विजयदशमी का पर्व परंपरागत ढंग से आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक योगेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी सहित जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु और व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हिंदी का महत्व बना न्यायिक चर्चा का केंद्र - प्रयागराज में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन व एवीएन भाषा अभियान की विशेष संगोष्ठी



कुमार/ प्रयागराज- हिंदी दिवस कुमार यादव, न्यायमूर्ति सौरभ पखवाड़ा के अवसर पर इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और एवीएन महेश चंद्र चतुर्वेदी और मुख्य भारतीय भाषा अभियान, काशी स्थायी अधिवक्ता शीतला प्रसाद प्रांत, उच्च न्यायालय इकाई के गौड़ शामिल रहे। संगोष्ठी की संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक अध्यक्षाता हाई कोर्ट बार लाइब्रेरी हाल में गुरुवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष व विशेष संगोष्ठी आयोजित की एवीएन अधिवक्ता राकेश पांडे गई। संगोष्ठी का विषय हिंदी ने की, जबकि संचालन की उपयोगिता और महत्व था, महासचिव अखिलेश कुमार जिसमें भाषा की सांस्कृतिक, शर्मा ने किया। न्यायमूर्ति गौतम शैक्षिक और न्यायिक भूमिका चौधरी भी विशेष रूप से पर गहन चर्चा हुई। इस अवसर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पर मुख्य अतिथि के रूप में अधिवक्ताओं की उल्लेखनीय मुख्य न्यायमूर्ति अजित कुमार उपस्थिति रही, जिनमें मंजुलेश

क्यूँ न लिख्ँ सच/ नीरज अतिथियों में न्यायमूर्ति डॉ. शेखर श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता, अपर महाधिवक्ता वशिष्ठ उपस्थित रहे। विशिष्ट कुमार शुक्ला, ऊष्मा मिश्रा,

योगेश दत्त मिश्रा, शिव कुमार तिवारी, शिवांगी चतुर्वेदी, श्रद्धा शुक्ला, ममता मौर्य, सुरेंद्र वीर मौर्य, विकास श्रीवास्तव, डी.के. तिवारी और राम सुरत पटेल प्रमुख रहे। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि हिंदी केवल सांस्कृतिक और शैक्षिक भाषा ही नहीं बल्कि न्यायिक कार्यप्रणाली को आमजन तक सरल बनाने का माध्यम भी है। सभी ने एक स्वर में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, इसके न्यायिक उपयोग और राष्ट्रीय एकता में इसके योगदान पर बल दिया। इस आयोजन ने न्यायिक क्षेत्र में हिंदी के बढ़ते महत्व को

मिला सहारा नशा तस्करों में खौफ का माहौल हत्या ट्यूबवेल पर मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता / गढी पुख्ता शामली ट्यूबवेल पर मिला अज्ञात युवक का शव

दोस्ताना विवाद में हत्या की आशंका दोस्ती के विवाद में वारदात की आशंका बियर शराब की बोतल बरामद जल्द होगा हत्यारे का खुलासा एसपी शामली एन पी सिंह शामली जिले के थाना गढ़ी पुख्ता क्षेत्र में आज स्बह सनसनीखेज वारदात सामने आई सुबह करीब 7=30 बजे ग्रामीणों



ने एक ट्यूबवेल पर अज्ञात युवक का शव पडा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पाया कि करीब 30 वर्षीय युवक की बे रहती से चाकू से वार कर हत्या की गई है मृतक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई पुलिस अधीक्षक शामली एमपी सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी दी और बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला दोस्ती में आपसे भी बात का प्रतीत हो रहा है शव के पास से बीयर और शराब की बोतल बरामद हुई है साथ ही बाइक के निशान भी मिले हैं इससे आसान का जताई जा रही है कि मृतक अपने किसी परिचित के साथ यहां आया होगा और आपसी तानाशाही के चलते विवाद में उसकी हत्या कर दी गई एसपी ने कहा कि पुलिस टीम पूरी गंभीरता से जांच कर रही है और बहुत जल्द हत्यारे की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी वहीं पुलिस के मृतक की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं ताकि परिवर्तन सूचना पहुंचाई जा सके और वारदात की कड़ी और स्पष्ट हो सके

हिंदी पखवाड़ा दिवस में प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

क्यूँ न लिखुँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती हिंदी पखवाड़ा-2025 के ऋम में 62वीं वाहिनी



सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में ज्ञान और अभिव्यक्ति से सराबोर एक उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशा-निर्देशन में ऋमश: हिंदी वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और

हिंदी भाषा के प्रति गहरी निष्ठा का परिचय दिया। प्रतिभागियों ने जहां वाद-विवाद में तर्कों से माहौल जीवंत किया, वहीं प्रश्नोत्तरी में ज्ञान का परिचय और निबंध लेखन में हिंदी की सुंदर अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। निर्णायक सिमिति में उप कमांडेंट श्री सोनू कुमार, निरीक्षक मृतुन्जय कुमार एवं सहायक उप निरीक्षक धर्मानंद साहू शामिल रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हिंदी केवल संचार की भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की आधारशिला है। इस अवसर ने हिंदी भाषा के महत्व को और गहराई से समझने तथा दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा देने की प्रेरणा दी।

भूकम्प, एवं अग्निकाण्ड से संबंधित राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित

क्यूँ न लिखुँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्रावस्ती के तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालय भिनगा परिसर में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन



अभ्यास में भूकम्प, औद्योगिक (रसायन) एवं अग्निकाण्ड जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारी एवं त्वरित बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में अमरेन्द्र कुमार वर्मा ए डिशान ल जिलाधिकारी श्रावस्ती, श्री आशीष भारद्वाज,

किया गया। इस

उप जिलाधिकारी भिनगा तथा श्रीमती जागृति सिंह, तहसीलदार भिनगा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस मॉक ड्रिल में 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा एवं फायर ब्रिगेड भिनगा के कर्मियों ने संयुक्त रूप से आपदा की स्थिति में बचाव, राहत एवं त्वरित प्रतिक्रिया की कार्यप्रणाली का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसमें आपदा के समय प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने एवं आग पर नियंत्रण करने की वास्तविक जैसी स्थितियों को प्रदर्शित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस मॉक एक्सरसाइज का उद्देश्य विभिन्न आपदाओं की संभावनाओं को देखते हुए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना एवं जनमानस को जागरूक करना रहा। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी अभ्यास का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया और आपदा प्रबंधन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए 9027776991

knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

www.knlslive.com

सुरई चौकी प्रभारी सत्यपाल सिंह ने एक वारंटी को गिरफ्तार किया

काफी समय से फरार था यह वारंटी अभियुक्त क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार /कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली

के प्रभारी निरीक्षा क अजीत सिंह के निर्देशन में वारंटी पकड़ो अ भि या न जिसमें



प्रभारी सत्यपाल सिंह और हमराही सिपाही राजकुमार ने एक वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार किया है यह वारंटी केस नं 220/02 मु0अ0स0 139/02 धारा 323/504/506/324 आईपीसी में बांछित था वारंटी श्याम सिंह पुत्र घनश्याम सिंह निवासी मोहल्ला गोखले नगर थाना कोंच उम्र करीब 38 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा में पेश किया बताया गया है कि यह काफी समय से न्यायालय कोर्ट में तारीखों पर नहीं जा रहा था जिसको लेकर पुलिस को काफी दिनों से इसकी तलाश थी

कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह का सम्मान किया गया

क्यँ न लिखँ सच/राजेंद्र विश्वकर्मा /कोंच(जालौन) ग्राम भदेवरा में महिला की हत्या का जल्द खुलासा किया पुलिस ने

सिंह की कड़ी यह खुलासा ई कोंच(जालौन) में पदस्थ प्रभारी सिंह साहब का



कोंच कोतवाली निरीक्षक अजीत भारत विकास 🛮 कुमार रेजा ने बीते

दिनों कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा गाँव के अपनी दादी की हत्या का मामला सुर्खियों में रहा और और यह पुलिस के लिये एक चुनौती था लेकिन कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह और उनकी पुलिस टीम ने इस चर्चित हत्याकांड का महज बत्तीस घंटों में खुलासा कर दिया और पूरी घटना में शामिल दोषियों पर सख्त कार्यवाही कर उन्हें जेल की सलाखों में भेजने का कार्य किया है इस घटना का सफल अनावरण के लिये पट्टिका पहनाकर उन्हें सम्मानित किया है इस अवसर पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने कहा कि इस घटना में हर बिंदुओं पर जांच पडताल की और जो वास्तविक दोषी थे उनके विरुद्ध कार्यवाही की उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता है और अपराधी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करना भी उनकी प्राथमिकता रहती है गलत कार्य करने वाले उन्हें किसी सुरत में पसंद नहीं अच्छे

आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखुँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती स्वच्छता पखवाड़ा सामानिक आयोजनों में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक



के तहत जगतजीत इंटर कॉलेज इकौना के छात्राओं ने जेतवन परिसर की परातत्व प्रभारी अखिलेश तिवारी के दिशा निर्देश में मूवमेंट का साफ सफाई किया। इस दौरान अखिलेश तिवारी ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को स्वच्छता पर पूर्ण रोकथाम की जाए। पूजा समितियों एवं आयोजनकर्ताओं को प्रेरित किया जाएगा कि ये अपने उत्सवों को स्वच्छ, हरित एवं कचरा विहीन आयोजन के रूप में संपन्न करें। इस अवसर पर हनुमान प्रसाद के प्रति जागरूक करना, समाज में सफाई को एक आदत के रूप में विकसित करना तथा संपूर्ण स्वच्छता की दिशा में सामूहिक प्रयास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि शहरों एवं गांवों को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाने स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत कई गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इनमे प्रमुख कार्यक्रम सार्वजनिक स्थलों की सफाई यथा पार्क, सड़क, बाजार, तालाब एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानाचार्य जगतगीत इंटर कॉलेज राम विहारी वाजपेई ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान स्वच्छ व हरित त्यौहार मनाने को परंपरा को बढ़ावा दिया जाएगा। नवरात्र पूजा पंडालो, मंदिरों, मेला परिसर एवं अन्य धार्मिक मदन यादव, देय कुमार पाठक आदि छात्र तथा छात्राएं मौजूद रहे।

10 Signs of Magnesium Deficiency Visible in the Mouth, Ignoring Them Can Be Costly

Magnesium deficiency can be very dangerous to health. However, these symptoms are often overlooked, thinking they are minor problems. Some of these symptoms are also visible inside

our mouths. Attributing these symptoms to poor oral Magnesium deficiency causes serious harm to health. mouths. Often, people associate these symptoms with health. However, there may be other underlying causes often be a sign of magnesium deficiency. Therefore, if be a sign of magnesium deficiency. Dr. Mark Bruhn Mouth) that appear in our mouth when we have a **Dryness of the mouth: Magnesium plays a vital role in** saliva production, leading to a persistent dry mouth. mouth. Therefore, don't ignore the problem of dry clenching your jaw or grinding your teeth at night? This is a natural muscle relaxant. Its deficiency can cause If you frequently crave chocolate, it could be a signal Teeth Tingling: Sudden sensations of hot and cold in Magnesium deficiency can weaken tooth enamel and If you're still experiencing bad breath despite brushing mouth and magnesium deficiency. Bacteria thrive in a at the edges of your tongue. Are there any teeth marks? or enlargement of the tongue, a common sign of throat muscles is essential for swallowing. Magnesium it difficult to swallow food or even saliva. Mouth ulcers While this problem is often linked to vitamin B12 or



hygiene can worsen the situation. Let's explore these symptoms. Symptoms of magnesium deficiency are also visible inside our poor oral hygiene. We often associate oral problems with poor oral besides improper brushing. In fact, problems in our mouths can you are experiencing any unusual changes in your mouth, it could (Dentist) shared some symptoms (Magnesium Deficiency Signs in magnesium deficiency. Let's find out what these symptoms are. the function of the salivary glands. A deficiency leads to reduced Saliva not only helps with digestion but also controls bacteria in the mouth. Stiffness or pressure in the jaw: Do you often find yourself could be a significant symptom of magnesium deficiency. Magnesium tension and spasms in the facial and jaw muscles. Chocolate craving: from your body. Dark chocolate is a good source of magnesium. your teeth aren't just a symptom of cavities or enamel erosion. make nerves more sensitive, leading to this problem. Bad Breath: regularly and maintaining good oral hygiene, it could be due to dry dry mouth, causing bad breath. Tongue with Teeth Marks: Look This is called "scalloped tongue." This is often caused by swelling magnesium deficiency. Difficulty Swallowing: Coordination of the deficiency can cause spasms or weakness in these muscles, making - Frequent mouth ulcers can be a symptom of magnesium deficiency. zinc deficiencies, magnesium deficiency can also affect the body's

absorption of other nutrients, leading to ulcers. Tooth decay - If you brush and floss regularly but still develop cavities, it could be due to a magnesium deficiency. Magnesium helps strengthen tooth enamel and maintain the pH balance of saliva. A deficiency weakens teeth and can lead to cavities. Tongue tingling - A tremor, twitching, or tingling sensation in the tongue is a clear sign of magnesium deficiency. Because magnesium is essential for the nervous system, a deficiency can lead to these problems.

Cafe Raves are a new way of partying for Gen Z. Why are young people loving this new way of fun?

The first thing that comes to mind when you hear the word "party" is a DJ, music, and alcohol. But now, the meaning of a party has changed a bit (Gen Z Party Trend), especially for Gen

Z. Yes, now Gen Z is abandoning the old partying learn more about it. Gen Z starts a new trend emerged, called Cafe Raves. The very mention beats, neon lights, and drinks all night long. But twist (Gen Z Party Trend). For them, a party no daylight. Yes, now Gen-Z has changed the has given rise to cafe raves. As the name suggests, coffee instead of alcohol. Let's find out how this rave culture begin? This trend first emerged in gather in cafes during the day with DJ sets and alcohol. But now it's started in India too, and such in big cities but also in smaller towns. Why are generation wants to party, but by avoiding alcohol the harm alcohol can cause to health. Therefore, help them feel healthy and refreshed. Party raves are held during the day, making it easy for participate. This allows them to get some sleep Unlike the crowds and noise of clubs, cafes offer introverts can socialize comfortably here. Focus



style and adopting a new one called Cafe Raves. Let's every day. Among these, a new party trend has of a party conjures up images of a club filled with DJ Gen Z is now giving this format of partying a new longer means just night and alcohol, but coffee and meaning of partying (youth party culture), and this people here dance and sing to DJ music while sipping trend began and why it's so popular. How did cafe cities like Europe and America. There, people would live music, chatting, and enjoying energy without parties are becoming increasingly popular not only cafe raves popular? A healthy option: Today's and hangovers. People are becoming more aware of options like coffee, matcha, and turmeric-ginger shots during the day - Not everyone can stay out late. Cafe working people, young people, and even families to and still enjoy the party. Inclusive and comfortable a more welcoming and comfortable atmosphere. Even on music - Cafe raves mostly feature house, Afro, and

electronic music, making the overall vibe feel global and unique. Changing generational mindset - Millennials and Gen-G are moving away from alcohol and nightlife and looking for alternatives that prioritize connection and creativity. This is why cafe raves are attracting them.

Small things help children develop a positive mindset; follow these tips for better development.

Maintaining a positive mindset in every situation is crucial for children's mental development and self-confidence. Such children face life's challenges with courage and balance. This quality

can be easily developed through positive mindset is essential for confidence and is also crucial for world, it is crucial for children to a positive mindset in every situation, only makes them successful but also vital role in this. Some parenting tips learn about them. How to maintain everything their parents say. If you times, your child will adopt this same with children. Let them feel they can them feel lighter. Offer appreciation big or small. This builds their selfthem to embrace failure as a learning every failure offers a new lesson. fear. Develop a sense of gratitude contentment and positive thinking in children to socialize with people who Participate in positive activities -



proper parenting. Let's learn some parenting tips. A children's development. It increases children's selftheir mental health. In today's fast-paced and competitive remain mentally strong and positive. When children adopt they face life's challenges with confidence. This quality not helps them live a happy and balanced life. Parents play a mentioned here will help such children stay positive. Let's positivity? Set a positive example - Children deeply observe are calm, optimistic, and solution-seeking during difficult attitude. Encourage open communication - Talk openly share their problems and feelings with you. This makes instead of criticism - Praise them for every achievement, confidence and helps them see themselves positively. Teach experience - Tell children that mistakes are normal and This will encourage them to focus on learning rather than Teach them to be thankful for everyday things. This fosters children. Create a positive environment - Encourage encourage them and keep them away from negativity. Activities like yoga, meditation, creative writing, or art

provide mental peace and positive thinking. Balanced use of technology - Controlling screen time is essential to keep children away from the negativity associated with social media or TV. Teach self-love - Teach children that they are good just the way they are. This develops self-confidence and positivity. A positive attitude in every situation helps children throughout their lives. Therefore, by following these tips, you can help your child become a strong, happy, and positive individual.

audiences and grossed well at the box office. Deepika removed from Kalki Part 2 - The

removed

hours

significantly

has been awaited for over a year now. While fans were eager to hear updates on Kalki

makers made a surprising announcement. The makers of Kalki have announced Deepika Padukone is no longer a part of Kalki Part 2. The makers hinted that

were more important factors at play than just her commitment to the film. However, the reason for this was not revealed. The movie slipped due to these conditions - Now, a report is explaining why Deepika Padukone was

in exchange for the longer shooting hours,

is further stated that Deepika arrives on set with

from such a major project. According to a Bollywood Hungama report, the actress had two conditions that cost her the anticipated film. Her

was a 7-hour shift. The

charged for

Why was Deepika Padukone removed from Kalki 2? These two conditions led to a major film slipping out of her hands.

After Sandeep Reddy Vanga's film Spirit, actress Deepika Padukone has now dropped out of Kalki 2898 AD Part 2. The makers announced this through a post. The reason behind Deepika's removal from the film has been revealed. Deepika Padukone dropped out of Kalki Part 2. Kalki makers officially announced that Deepika distanced herself due to these two conditions. Deepika Padukone is once again in the news. After her exit from Sandeep Reddy Vanga's film Spirit, the issue of her 8-hour shifts was in Now, the actress has also dropped out of Nag Ashwin's Kalki 2898 AD Part 2. Deepika Padukone was the lead actress in Kalki 2898 AD. In the film, she news. played the Sam, who is about to give birth to Kalki. The story revolves around her. The film was wellreceived by film's sequel Part 2, the t h a there t w o

first condition was a 25 percent increase in her fee, and the second report stated that Deepika was demanding a 25 percent increase over the fee the first part. Furthermore, she also stipulated that she would shoot for only 7 day. Since 'Kalki 2898 AD' is a VFX film, shooting in such a short time would have increased the budget. The producers offered Deepika a luxury vanity van for comfort but she refused. They also cited Prabhas, who refused to increase his fee for Part 2. It her team, which consists of 25 people. She demanded that the producer reimburse her

group in a five-star hotel during shooting. This is a problem that many Hindi film producers face.

"You should..." Yami Gautam was advised to undergo plastic surgery.

The changed looks of heroines often surprise fans. Actresses in the industry, from Janhvi Kapoor to Anushka Sharma, Ayesha Takia, and Priyanka Chopra, are often accused of having undergone surgery. Recently, Yami Gautam has also spoken openly about the plastic surgery she underwent and revealed that she too has been advised to do so. Yami Gautam spoke openly about plastic surgery. Yami was also advised to undergo surgery. Do they undergo surgery under pressure? Even though Bollywood actresses may not admit to having undergone any kind of plastic surgery, their altered appearance raises many questions in the minds of fans. From Janhvi Kapoor to Khushi Kapoor, Priyanka Chopra, Anushka Sharma, and Koena Mitra, many actresses have been accused of resorting to plastic surgery to look beautiful. Now, recently, Yami Gautam has spoken openly about plastic surgery. She also revealed that she too has been advised to undergo surgery. Yami explained what defines beauty. While many A-list actresses resort to surgery to enhance their glamorous looks, Uri: The Surgical Strike actress Yami Gautam has maintained a distance from it. "I think every actress goes through this kind of thing, where they're asked to change themselves. When you're new, it's easy for people to give you advice. Often, they're not giving you advice with the intention of harming you, but with genuine good intentions. You can see around you that their advice is working. In that environment, you have to be mentally strong to ignore those voices. I believe there's no full stop to the definition of beauty; today something is beautiful, tomorrow something else. I listen to people and smile. When I meet that person giving me advice months later, they say, 'You didn't take my advice.''' Yami Gautam, who received advice on getting her eyebrows done, further added, "A prominent makeup artist said your eyebrows should be a certain way. I asked if we should do makeup. For me, what he was saying wasn't the definition of beauty, but maybe for someone else, it is. I I have never done anything that would change the shape of my face. It is good for those who are doing it happily, but it is sad for those who are doing it under pressure.' Yami further told that she has signed five films.



"Now the camel has come down the mountain!" After Amaal, this contestant has become the new captain of the house. Will he take revenge?

Bigg Boss Season 19 is witnessing constant twists and turns. This season, after Kunika Sadanand, Basir Ali, and Amaal Malik, the house has a new captain. This week, the one who has taken

over the captaincy is the most irritating to Amaal? Let's find out. This contestant has now be revealed. Will the housemates be the contestants in Bigg Boss Season 19 are is now about to complete a month on TV. contestants left in the house. The betrayed her closest friend Abhishek Bajaj Malik's captaincy ended, a task was the responsibility of running the Bigg Boss in everyone's side. We'll tell you who this the task, but before that, let's find out how had to place several white bags in a garden seven rounds, where each contestant had Neelam, Nehal eliminated Zeeshan, in the eliminated Shahbaz. Colors shared a account. Abhishek Bajaj, showing his game. In the end, a nasty fight broke out





the housemates. Who has become the new captain after taken over the captaincy. After Amaal Malik, the secret will troubled by this contestant's captaincy? The true faces of slowly coming to light. Salman Khan's controversial show After the evictions of Nagma and Natalia, there are now 15 nomination task took place yesterday, in which Ashnoor to save Tanya Mittal and Gaurav Khanna. After Amaal recently held in the house to elect a new captain. This week, house has fallen on a contestant who will surely be a thorn contestant became this week's new captain after winning the captaincy task was played. In this task, all contestants area, each containing several boxes. This task consisted of to evict someone. In the first round, Gaurav eliminated third round, Farhana eliminated Tanya, and Basir glimpse of this captaincy task on its official Instagram aggressive side, is seen throwing his friend Aawaz out of the between him and Amaal Malik. The sixth round was played

between Amaal and Abhishek, where Nehal eliminated Amaal, and by winning this task, Abhishek Bajaj became the new captain of the house. How has Abhishek Bajaj's game been? Talking about Abhishek Bajaj's game, he has been playing a very aggressive game since the beginning. He has had fights with many contestants in the house, from Zeeshan Qadri to Shahbaz and Basir-Amaal. Several housemates, including Nehal, have targeted Abhishek on issues ranging from hygiene to food. It will be interesting to see how Abhishek Bajaj handles the house now that he's captained. Whether he takes revenge on the contestants who trouble him, or becomes a sly knife to get things done.